राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 20 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–175 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार के सीतामढ़ी में नूपुर शर्मा का समर्थक बताने पर युवक को मारा चाकू, दो गिरफ्तार

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में बीजेपी से निष्कासित नूपुर शर्मा का सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाने पर युवक पर चाकू से हमले की खबर आई है। मामला जिले के नानपुर थाना इलाके का है। घायल युवक अंकित झा डीएमसीएच अस्पताल में भर्ती है। युवक ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि 15 जुलाई को चाय दुकान पर कुछ लोग आए और उससे उससे पूछा कि क्या वह नूपुर शर्मा का समर्थक है? अंकित ने हां कहा तो हमलावरों ने पहले हाथापाई की और फिर चाकू से उसके पेट एवं कमर से 6 वार कर दिए। अंकित ने उसी वक्त दो हमलावरों को पकड़ लिया लेकिन करीब 25 लोगों की भीड़ आई और उन्हें छुड़ा ले गई। अंकित का कहना है कि हमलावरों से उसकी कोई जान पहचान नहीं है। मामले में चार युवक गोड़ा उर्फ गुलाब रब्बानी, मोहम्मद नेहाल, मोहम्मद हेलाल और मोहम्मद बेलाल को आरोपी बनाय गया है। इनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि पुलिस ने नूपुर शर्मा एंगल से इनकार कर दिया है। सीतामढ़ी एसपी के मुताबिक अंकित के भाई आशीष कुमार झा ने एफआईआर में नूपुर शर्मा को लेकर हुए विवाद का कोई जिक्र नहीं किया। अंकित के मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद नशे में 4-5 लोगों ने वारदात को अंजाम दे दिया। यह वारदात 15 जुलाई को हुई लेकिन अब शरारती तत्व इसे सांप्रदायिक रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। मामले की जांच कर उनकी पहचान की जा रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। नानपुर एसएचओ ने भी कहा कि अंकित सड़क किनारे दुकान पर खड़ा था। तभी वहां उसका सिगरेट का धुआं छोड़ने को लेकर हमलावरों से झगड़ा हो गया। तभी गोड़ नाम के एक शख्स ने पीछे से उसकी पीठ में चाकू से वार कर दिया।

...तो यहां के ब्राह्मण-ठाकुर भी बन जाएंगे 'आदिवासी', हिमाचल में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव खेलेगी भाजपा !

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े केन्द्र सरकार कथित तौर पर एक बड़ा फैसला लेते हुए सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को 'आदिवासी' का दर्जा दे सकती है।

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े केन्द्र सरकार कथित तौर पर एक बड़ा फैसला लेते हुए सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को आदिवासी का दर्जा दे सकती है। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो इस इलाके में रहने वाले सभी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिल जाएगा। खबर के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा पेश किए जाने वाले प्रस्ताव पर अंतरमंत्रालयी विचार विमर्श हो सकता है। पहले जहां हट्टी समुदाय को एसटी का दर्जा देने की मांग थी, वहीं केंद्र अब इस विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि इस पूरे इलाके के लोगों को एसटी का दर्जा दे दिया जाए। इससे पहले उत्तराखंड के जौनसार क्षेत्र में 1967 (तब अविभाजित उत्तर प्रदेश का हिस्सा) में भी इसी तरह से पूरे इलाके में रहने वाले लोगों को एसटी का दर्जा दिया गया था। इसके अलावा सिरमौर का ट्रांस-गिरी क्षेत्र का बॉर्डर जौनसार से लगा हुआ है। माना जाता है कि

दोनों इलाके भले ही अलग-अलग राज्य में हैं, लेकिन दोनों में काफी सांस्कृतिक समानताएं हैं।

ब्राह्मण-ठाकुर भी बन जाएंगे 'आदिवासी'

राज्य के किसी क्षेत्र में हाल के दिनों में आदिवासी स्टेटस नहीं मिला है। अब केन्द्र सरकार की योजना को राज्य के चुनावों से पहले एक राजनीतिक दांव के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि अगर इस प्रस्ताव पर सहमति बनती है और इसे लागू किया जाता है, तो इसका मतलब होगा कि कई ओबीसी समुदायों और अनुसूचित जातियों के साथ-साथ ठाकुर और ब्राह्मण भी 'आदिवासी' बन जाएंगे।

भाजपा को होगा बड़ा फायदा!

दरअसल, देश में बनी आरक्षण कैटिगरी में एसटी को ओबीसी और एससी की तुलना में अधिक लाभ मिलते हैं। इस तरह का कोई भी फैसला क्षेत्र के मतदाताओं, विशेष रूप से राजनीतिक रूप से प्रभावशाली हट्टी समुदाय को लुभाने की बड़ी कोशिश हो सकती है और इसका सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। इसके साथ ही इस फैसले से लाभान्वित होने वाली उच्च जातियां और ओबीसी समुदाय भी भाजपा के समर्थन में आ सकता है।

● सूत्रों ने बताया कि जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा पेश किए जाने वाले प्रस्ताव पर अंतरमंत्रालयी विचार विमर्श हो सकता है। पहले जहां हट्टी समुदाय को एसटी का दर्जा देने की मांग थी, वहीं केंद्र अब इस विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि इस पूरे इलाके के लोगों को एसटी का दर्जा दे दिया जाए।

2022 के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश में जुटी है। जबकि राज्य का इतिहास रहा है कि कांग्रेस और भाजपा बारी-बारी से सरकार बनाते हैं। राज्य में इसबार सत्ता विरोधी लहर तब सामने आई थी जब कांग्रेस ने नवंबर 2021 में मंडी लोकसभा क्षेत्र और तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव जीते थे।

दिल्ली में कार से चलने वाले दें ध्यान, घर पहुंच सकता है 10 हजार रुपए का चालान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वाहनों की प्रदूषण जांच नहीं कराने वालों को 10 हजार रुपए का ई-चालान भेजेगी। चालान से पहले वाहन मालिकों को नोटिस भेजा जाएगा, जिसकी शुरुआत मंगलवार से होगी। सात दिन बाद भी प्रदूषण जांच नहीं कराने पर ई-चालान किया जाएगा। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 लाख से अधिक वाहन है, जिन्होंने समय पर प्रदूषण जांच नहीं कराई है। अधिकारी के मुताबिक, अभी तक सड़क पर चलने वाले वाहनों की जांच के समय प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं मिलने पर चालान काटा जाता था। पहली बार ऐसे वाहनों को नोटिस भेजकर चालान काटने का फैसला लिया गया है। जांच न कराने वाले वाहनों की सूची तैयार परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों की सूची भी तैयार कर ली है। दिल्ली में बीएस चार मानक वाले वाहनों को साल में एक बार प्रदूषण जांच करानी होती है। वहीं, बीएस 3 वाले वाहनों को साल में दो बार जांच करानी होती है। दिल्ली में वाहनों के प्रदूषण जांच के लिए 973 केंद्र बनाएं गए है। विभाग की इस योजना को लेकर सरकार की ओर से सोमवार को मंजूरी दे दी गई है। परिवहन विभाग इन वाहनों को मंगलवार से नोटिस जारी करना शुरू कर देगी। रोजाना 1500 वाहन मालिकों को नोटिस अधिकारी ने बताया कि रोजाना 1000-1500 वाहनों को नोटिस जारी किया जाएगा। वाहन मालिकों को नोटिस मिलने के सात दिनों के अंदर अपने वाहन का प्रदूषण जांच करानी होगा। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनका ई-चालान किया जाएगा। जिसके बाद उन्हें 10 हजार रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। क्या है प्रावधान प्रदूषण जांच किए बगैर वाहन चलान पर 10 हजार रुपये के चालान का प्रावधान है। उसके बाद दोबारा अगर प्रदूषण जांच के बगैर पकड़े गए तो जुर्माने के साथ तीन महीने के लिए डीएल भी निलंबित किया जा सकता है।

ऐसे वाहनों को मिलेगी छूट-अधिकारी ने कहा कि उन वाहनों को छूट देने का कानूनी प्रावधान है जो सड़कों पर नहीं चल रहे हैं। अधिकारी ने कहा, उदाहरण के लिए सेना के एक सेवानिवृत्त कर्नल ने परिवहन विभाग को लिखा है कि उनका बेटा विदेश में है और उनका वाहन उनके गैरेज में खड़ा है।

यूपी-उत्तराखंड में अगले कुछ दिन तक भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। वहीं उत्तर भारत के कई राज्यों अभी भी लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली सहित कुछ राज्यों में बारिश को मौसम विभाग ने अच्छी खबर दी है। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर पूर्वानुमान और चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24-72 घंटों के बीच उत्तर प्रदेश के पश्चिमी, पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश के आसार है। उत्तराखंड के कई जिलों में 20 जुलाई को अत्यंत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। बिहार के पांच जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली में उमस करेगी परेशान, बुधवार को हो सकती है बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को भी उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है । अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। मानसून की अक्षीय रेखा के दिल्ली से होकर

गुजरने की संभावना बन रही है। बुधवार को अलग-अलग इलाकों में अच्छी बारिश हो सकती है। तापमान में भी गिरावट आएगी।

उत्तर प्रदेश में अगले 4 दिन तक गरज चमक के साथ तेज बारिश

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर प्रदेश में गरज चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। अनुमान के मुताबिक प्रदेश मे 19-22 जुलाई के बीच गरज चमक के साथ तेज बारिश होगी। मौसम विभाग ने इसको लेकर डार्क यलो अलर्ट जारी किया है। सीएसए के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि टर्फ लाइन अभी तक मध्य भारत में थी। अब यह ऊपर की ओर बढ़ रहा है जिसके कारण 19 जुलाई से बारिश की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 20-21 जुलाई को पूरे प्रदेश में मॉनसून सक्रिय होगा जिससे भारी बारिश के आसार बन रहे है।

बिहार के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना-मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मंगलवार को उत्तर बिहार के पांच जिलों के पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, अररिया एवं किशनगंज जिले में मेघ गर्जन, बिजली चमकने के साथ भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। पटना व इसके आसपास आंशिक बादल छाए रहने के साथ छिटपुट वर्षा के आसार हैं।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर का विशेष ऑडिट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर की विशेष ऑडिटिंग प्रक्रिया पूरी करने की समय सीमा सोमवार को बढ़ाकर 31 अगस्त 2022 तक कर दी, जो 30 जून 2022 को समाप्त हो गई थी। न्यायमूर्ति यू.यू. ललित, न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने विशेष ऑडिट को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय का आग्रह करने वाली मंदिर की प्रशासनिक और सलाहकार समिति की याचिका पर यह अवधि बढ़ा दी। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं । अपनी जन्म तिथि अपने

नाम , जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें शीर्ष अदालत ने 13 जुलाई 2020 को कहा था कि त्रावणकोर के पूर्ववर्ती राजपरिवार का केरल के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर पर प्रबंधन का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने केरल उच्च न्यायालय के 2011 के फैसले को खारिज करते हुए अंतिम शासक श्री चिथिरा थिरुनल बलराम वर्मा के छोटे भाई उथरादम थिरुनल मार्तंड वर्मा के कानूनी वारिसों की अपील को स्वीकार कर लिया था।

अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा से मजदूर गायब; एक की मिली लाश, 18 अभी भी लापता

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में भारत-चीन सीमा पर एक मजदूर की मौत और 18 के लापता होने की खबर है। डिप्टी कमीश्नर बेंगिया निघी ने बताया कि ये सभी यहां एक रोड प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और 5 जुलाई से ही लापता है। उन्होंने बताया कि सभी मजदूर असम के रहने वाले हैं।

आशंका जताई जा रही है कि कुमी नदी में डूबने से सभी मजदूरों की मौत हो गई होगी। एक शव मिलने के बाद इस आशंका को और भी अधिक बल मिला है। फिलहाल रेस्क्यू का काम जारी है। नदी में ये मजदूर कब डूबे, इस बारे में पता नहीं चल सका है। इनके घरवालों को भी किसी तरह की जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले ये सभी पैदल ही घर

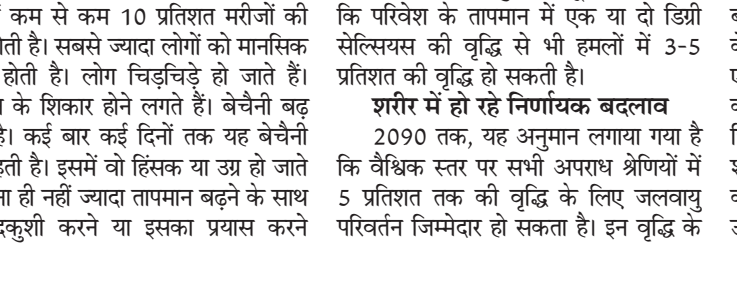

के लिए निकले थे। रास्ते में कुमी नदी पड़ती है। इसे पार करते समय हादसा हुआ होगा।

ईद पर पैदल ही चल दिए थे घर

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये मजदूर ईद के मौके पर अपने घर जाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर से छुट्टी की मांग की लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसके बाद ये लोग पैदल ही अपने घर के लिए निकल पड़े। अब आधिकारिक तौर पर इनके लापता होने की खबर सामने आई है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाशी की जा रही है।

शव ना मिलें... इसकी भी आशंका

हादसे को कई दिन बीत जाने के बाद आशंका यह भी जताई जा रहा है कि उनमें से कई लोगों के शव न मिल पाएं। हालांकि

आशंका जताई जा रही है कि कुमी नदी में डूबने से सभी मजदूरों की मौत हो गई होगी। एक शव मिलने के बाद इस आशंका को और भी अधिक बल मिला है।

अभी कुछ भी दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है। मालूम हो कि पूर्वोत्तर में बीते दिनों भारी बारिश हुई है। इससे अरुणाचल प्रदेश, असम और मिजोरम के कई इलाकों में बाढ़ के हालात हैं। साथ ही नदियां भी उफान पर हैं।

रिसर्च में हुआ खुलासा, धीरे-धीरे लोगों के दिमाग पर चढ़ रही है गर्मी!

नई दिल्ली। रोजमर्रा के जीवन में हम कई बार ऐसा सुनते हैं कि अमुक व्यक्ति को काफी गुस्सा आ गया है क्योंकि उसका दिमाग गरम हो गया है। वैसे तो यह अभी तक एक तरह से कहावत की शक्ल में था लेकिन अब यह सिर्फ एक कहावत नहीं रह गया है। दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक रिसर्च में काफी चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। बढ़ती गर्मी का प्रभाव अब लोगों के दिमाग और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसकी वजह से चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, बेचैनी हिंसा जैसी चीजें और भी ज्यादा बढ़ सकती हैं।

प्रदर्शन और प्रतिक्रिया प्रभावित कर रही गर्मी-दरअसल, हाल ही में बोस्टन यूनिवर्सिटी के एक शोध में इसका अध्ययन किया गया है कि बढ़ते हीटवेव के कारण लोगों का प्रदर्शन और प्रतिक्रिया किस तरह से प्रभावित हो रहा है। अध्ययन में पाया गया कि हीटवेव की प्रतिक्रिया आक्रामकता का मुख्य कारण बन रही है क्योंकि यह धीरे-धीरे दिमाग को प्रभावित कर रही है। तापमान के ज्यादा बढ़ने की वजह से लोग डिहाइड्रेशन, डेलिरियम और बेहोश होने जैसी स्थितियों से भी परेशान होने लगते हैं। इनके अलावा और भी कई परिणाम सामने आ रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंग के लिए भी समान रूप से खतरा-वर्तमान में पूरी दुनिया में तापमान बढ़ रहा है और इसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है, इसे ही ग्लोबल वार्मिंग कहा गया है। तापमान कम करने के लिए लोग आर्टिफिशियल सहारा ले रहे हैं लेकिन सच यह है कि इससे तापमान घटने की बजाय और

बढ़ता ही जा रहा है। अब समय आ गया है कि इस पर वैश्विक रूप से चर्चा हो। क्योंकि ऐसे ही अगर रहा तो एक हीट का एक डेंजर सर्किल बन जाएगा जिससे निकलना शायद मुश्किल होगा।

तापमान बढ़ने से मानसिक दिक्कतों में बढ़ोत्तरी-एक अन्य स्टडी से पता चला है कि किसी दिए गए स्थान के लिए सामान्य तापमान सीमा से 5 प्रतिशत तक बढ़ने या उससे अधिक होने पर अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में कम से कम 10 प्रतिशत मरीजों की वृद्धि होती है। सबसे ज्यादा लोगों को मानसिक दिक्कत होती है। लोग चिड़चिड़े हो जाते हैं। डिप्रेशन के शिकार होने लगते हैं। बेचैनी बढ़ जाती है। कई बार कई दिनों तक यह बेचैनी बनी रहती है। इसमें वो हिंसक या उग्र हो जाते हैं। इतना ही नहीं ज्यादा तापमान बढ़ने के साथ ही खुदकुशी करने या इसका प्रयास करने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी होती है।

हिंसक अपराध में भी वृद्धि

गर्मी की वजह से जब लोग स्पष्ट रूप से नहीं सोच पाते हैं, तो इस बात की बहुत संभावना है कि वे निराश हो जाएंगे और यह बदले में आक्रामकता का कारण बन सकता है। हिंसक अपराध में वृद्धि के साथ अत्यधिक गर्मी को जोड़ने के पुख्ता सबूत हैं। यहां तक कि परिवेश के तापमान में एक या दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से भी हमलों में 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

शरीर में हो रहे निर्णायक बदलाव

2090 तक, यह अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक स्तर पर सभी अपराध श्रेणियों में 5 प्रतिशत तक की वृद्धि के लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार हो सकता है। इन वृद्धि के कारणों में मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और जैविक कारकों का एक जटिल संबंध शामिल है। उदाहरण के लिए, सेरोटोनिन नामक एक मस्तिष्क रसायन जो आक्रामकता के स्तर को नियंत्रित रखता है, उच्च तापमान से प्रभावित होता है।

जलवायु परिवर्तन असली चिंता का विषय -द कन्वर्सेशन की एक रिपोर्ट में इस बता का जिक्र है कि बढ़ता तापमान पर्यावरण के लिए भी उतना ही खतरनाक है। यूके में हुए एक सर्वेक्षण में शामिल 60 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे जलवायु परिवर्तन को लेकर बहुत चिंतित हैं या बेहद चिंतित हैं। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से 45 प्रतिशत से अधिक ने कहा कि जलवायु के बारे में भावनाओं ने उनके दैनिक जीवन को प्रभावित किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है। - महर्षि वाल्मीकि

संपादकीय

मुफ्त का रक्षा-कवच

अजीब विडंबना ही है कि देश-दुनिया में रह-रहकर सामने आ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों के बावजूद हम मान बैठे हैं कि कोरोना वायरस वापस वुहान लौट गया है। बचाव के एहतियाती उपाय मास्क, सुरक्षित दूरी व बार-बार हाथ धोने को बीते दिनों की बात बना चुके हैं। इसके बावजूद कि दुनिया के कई देश संक्रमण की गंभीर चुनौती से जूझ रहे हैं। कई राज्यों में कोरोना संक्रमितों की संख्या में आने वाला उछाल इससे जुड़ी चिंता को दर्शाता रहता है। लेकिन फिर भी, देश में वैक्सीन की उपलब्धता के बावजूद लोग एहतियाती खुराक लेने में कोताही बरत रहे हैं। वैसे तो देश में इस साल दस जनवरी से बूस्टर डोज लगाने की शुरुआत हो चुकी थी। मकसद था कि यदि वैक्सीन से प्राप्त इम्युनिटी में कमी आती है और कोई नया वायरस आये तो बचाव हो सकता है। देश में साठ साल से अधिक के लोगों व अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं को यह डोज मुफ्त लगायी जा रही थी। देश में साठ साल से अधिक के करीब पच्चीस फीसदी लोग बूस्टर डोज लगवा चुके हैं। बताया जाता है कि बूस्टर डोज लगाने में देश की रफ्तार दुनिया में काफी धीमी है। लेकिन 18 से 59 साल के लोगों ने बूस्टर डोज को गंभीरता से नहीं लिया। देश में केवल एक फीसदी के करीब इस आयु वर्ग के लोगों ने ही एहतियाती खुराक ली। जो कि बेहद चिंता की बात इसलिए है कि सेहत से जुड़े मामलों में हम कितने गंभीर हैं। वह भी तब जब अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैग्जीन कह रही है कि भारत में एक नया वायरस सामने आया है जो हमारी प्राकृतिक व वैक्सीन से हासिल रोग प्रतिरोधक क्षमता को पछाड़ रहा है। दरअसल, अब तक 18 से 59 आयु वर्ग को मामूली कीमत चुकाकर बूस्टर डोज मिल रही थी, जिसके चलते लोगों ने इसको लेकर गंभीरता नहीं दिखायी। यही वजह है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अब आजादी के 75 साल पूरे होने पर 75 दिनों का विशेष अभियान चलाकर इस आयुवर्ग को मुफ्त बूस्टर डोज देने का फैसला लिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश का लक्षित आयुवर्ग इस अवसर का लाभ उठायेगा और खुद व देश को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। सरकार की भी कोशिश है कि आजादी के अमृतकाल में 75 दिन तक लोगों के घर-घर जाकर टीकाकरण अभियान में भाग लेने की अपील की जाये। निश्चित रूप से यदि लोग सहयोग करेंगे तो कोरोना संक्रमण के खिलाफ उनके शरीर में एंटीबॉडी क्षमता बढ़ जायेगी। हमें नये वायरस बीए.2.75 की चुनौती को भी ध्यान में रखना चाहिए, जो भारत में कई जगह पाया गया है। दरअसल कोरोना वायरस का यही वेरिएंट ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में पाया गया है। जिसके बारे में चेताया जा रहा है कि इसे इंसान की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं रोक पा रही है। जिससे दुनियाभर के वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ी हुई है। ऐसे में विश्वास किया जाना चाहिए कि बूस्टर डोज लगाने का कुछ फायदा जरूर होगा। हो सकता है कि नई चुनौती को देखते हुए ही केंद्र सरकार ने 18 से 59 साल के आयुवर्ग के लिये बूस्टर डोज मुफ्त में लगाने का फैसला किया हो। हमें एक जिम्मेदार नागरिक का व्यवहार करते हुए बूस्टर डोज अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। साथ ही संक्रमण से बचाव के परंपरागत एहतियाती उपायों पर गंभीर व्यवहार करना चाहिए। नागरिकों को इस बात का अहसास होना चाहिए कि कोरोना वायरस कहीं जाने वाला नहीं है, हमें इसके साथ जीने का सलीका सीखना होगा। अपने अनुकूल वातावरण पाकर यह कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को अपना शिकार बनाता रहेगा। कालांतर अन्य मौसमी रोगों की तरह यह भी अपना असर दिखाता रहेगा। बहुत संभव है कि निकट भविष्य में कारगर दवाइयां उपलब्ध होने के बाद इस पर काबू पाया जा सकेगा।

आज के कार्टुन

इष्ट की उपासना

श्रीराम शर्मा आचार्य/ दिन ढल रहा था। रात और दिन फिर से बिछुड़ जाने को कुछ क्षणों के लिए एक दूसरे में विलीन हो गए थे। रम्य वनस्थली में एक पर्णकुटी में से कुछ धुआं सा उठ रहा था। कुटीर में निवास करने वाले दो ऋषि-शनक और अभिप्रतारी अपना भोजन तैयार कर रहे थे। भोजन लगभग तैयार हो चुका था तभी बाहर किसी आगन्तुक के आने का शब्द हुआ। दोनों ने जानने का प्रयत्न किया। बाहर एक युवा ब्रह्मचारी खड़ा था। ऋषि ने प्रश्न किया- 'कहो वत्स! क्या चाहिए?' युवक विनम्र वाणी में बोला-'आज प्रातः से अभी तक मुझे कुछ भी प्राप्त नहीं हो सका है। यदि कुछ भोजन मिल जाता, तो बड़ी दया होती।' कुटीर निवासी कहने को वनवासी थे, हृदय उनका सामान्य गृहस्थों से भी कहीं अधिक संकीर्ण था। सो रूखे स्वर में कहा- 'भाई तुम किसी गृहस्थ का घर देखो। हम तो वनवासी हैं।' ब्रह्मचारी को बड़ी ही निराशा हुई। यद्यपि वह अभी ज्ञानार्जन कर ही रहा था-तथापि कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य का व्यावहारिक बोध था उसे। निराश इस बात से नहीं था वह कि उसे भोजन प्राप्त नहीं हो सका था। तब चुपचाप चले जाने की अपेक्षा उस युवक ने यही उचित समझा कि इन अज्ञान में डूबे ज्ञानियों को इनकी भूल का बोध करा ही देना चाहिए। उसने पुनः उनको पुकारा। झुंझलाते हुए शनक और अभिप्रतारी बाहर आए। तब युवक बोला-'क्या मैं यह जान सकता हूं कि आप किस देवता की उपासना करते हैं?' उन ऋषियों को तनिक क्रोध आ गया। झुंझलाहट में कहा-'तुम बड़े असभ्य मालूम होते हो। अस्तु! हमारा इष्टदेव वायु है, जिसे प्राण भी कहते हैं।' अब वह ब्रह्मचारी बोला- 'तब तो आप अवश्य ही यह जानते होंगे कि यह प्राण समस्त सृष्टि में व्यापक है। जड़-चेतन सभी में।' ऋषि बोले- 'क्यों नहीं! यह तो हम भली-भांति जानते हैं।' अब युवक ने प्रश्न किया- 'क्या मैं यह जान सकता हूं कि यह भोजन आपने किसके निमित्त तैयार किया है?' ऋषि अब बड़े गर्व से बोले- 'हमारा प्रत्येक कार्य अपने उपास्य को समर्पित होता है।' ब्रह्मचारी ने मन्द स्मिति के साथ कहा-'यदि प्राण तत्व इस समस्त संसार में व्याप्त है, तो वह मुझमें भी है। आप यह मानते हैं?' ऋषि को अब ऐसा बोध हो रहा था कि अनजाने ही वे इस युवा के समक्ष हारते चले जा रहे हैं। तली में जैसे छेद हो जाने पर नाव पल-पल अतल गहराई में डूबती ही जाती है युवक की वाणी में उनका अहं और अज्ञान वैसे ही धंसता चला जा रहा था।

अधिक प्रभावी बने दल बदल कानून

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

महाराष्ट्र में शिवसेना पार्टी के विधायकों द्वारा दलबदल करने के कारण मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सरकार को गिरा कर शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद देश का दल बदल निरोधक कानून अप्रासंगिक बनकर रह गया है। इस कानून की कमजोरियों का फायदा उठाकर सांसद, विधायक लगातार दल बदल कर रहे हैं। महाराष्ट्र की हालिया घटना के बाद पूरे देश में इस बात को लेकर जोरों से चर्चा है कि मौजूदा कानून दल बदल को रोक पाने में कमजोर साबित हो रहा है। इसे और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। ताकि दल बदल जैसे सत्ता बनाने बिगाड़ने के खेल पर रोक लग सके। महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर हुए दलबदल में भी भाजपा की भूमिका खुलकर सामने आई है। इससे पूर्व भाजपा कर्नाटक व मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर विधायकों से दलबदल करवा कर वहां की सरकारों को अपदस्थ कर भाजपा की सरकार बनवा चुकी है। 2014 के बाद दलबदल का खेल कुछ अधिक ही खेले जाने लगा है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में पूरी सरकारों को ही अपदस्थ कर वहां भाजपा की सरकार बनवा दी गई थी। उसके बाद गोवा में बहुमत नहीं मिलने के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को दरकिनार कर भाजपा की सरकार बनाई गई थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसपा से चुनाव जीते सभी 6 विधायकों को कांग्रेस में शामिल करवा कर बहुमत प्राप्त कर लिया था। हाल ही में बिहार विधानसभा में लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के 5 में से 4 विधायकों को दल बदल करवा कर राजद में शामिल करवा लिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चन्द्र शेखर राव कांग्रेस के अधिकांश विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करवा चुके हैं। सिक्किम में सिक्किम डेमोक्रेटिक पार्टी के दस विधायक दलबदल कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। चर्चा है कि गोवा कांग्रेस के मौजूदा विधायक कभी भी भाजपा में जा सकते हैं। मौजूदा नियमों के मुताबिक किसी पार्टी के दो तिहाई व उससे अधिक विधायक एक साथ किसी अन्य पार्टी में विलय करते हैं तो उनकी सदस्यता बच जाती है। इसी का फायदा उठाकर राजनीतिक दलों द्वारा धड़ाधड़ दलबदल करवाया जा रहा है। चुनावो के दौरान भी प्रदेशों में बड़े पैमाने पर विधायकों द्वारा दलबदल किया जाता है। हालांकि उस समय विधानसभाओं के चुनाव होने होते हैं ऐसे में दलबदल का सरकार की सेहत पर प्रभाव नहीं पड़ता है। जनता द्वारा निर्वाचित सांसद या विधायक तो अपनी सुविधानुसार दल बदल कर सत्ता का लाभ प्राप्त कर लेता है। मगर ऐसे में उनको वोट देने वाले मतदाता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगते हैं। किसी पार्टी विशेष के पक्ष में मतदान कर चुनाव जिताने वाले लोगों को उस वक्त बड़ा झटका लगता है जब उन्हें पता लगता है कि उनके वोटों से जीता हुआ जनप्रतिनिधि उनके विरोधी दल की पार्टी में शामिल हो गया है। लगातार दल बदल की हो रही घटनाओं को लेकर लोगों में चर्चा है कि दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जाए ताकि जिस कार्यकाल के लिए जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुआ है। उस कार्यकाल में वह दलबदल नहीं कर सके और यदि वह दलबदल करता है तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जाए। अक्टूबर 1967 में हरियाणा के एक विधायक गया लाल ने एक ही दिन मे तीन बार दल बदलकर इस मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में ला दिया था। उस दौर में आया राम गया राम की राजनीति देश में काफी प्रचलित हो चली थी। अंततः राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते 1985 में 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से देश में दलबदल विरोधी कानून पारित कर इसे संविधान की दसवीं अनुसूची में जोड़ा गया था। इस कानून का मुख्य उद्देश्य भारतीय राजनीति में दलबदल की कुप्रथा को समाप्त करना था। इस कानून के तहत किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अगर एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है। कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। किसी सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के रुख के विपरीत वोट किया जाता है। कोई सदस्य स्वयं को वोटिंग से अलग रखता है। छह महीने की अवधि के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। मगर अगर किसी पार्टी के एक तिहाई विधायक या सांसद दूसरी पार्टी के साथ जाना चाहें तो उनकी सदस्यता खत्म नहीं होगी। 2003 में इस कानून में संशोधन भी किया गया। जब ये कानून बना तो प्रावधान ये था कि अगर किसी मूल पार्टी में बंटवारा होता है और एक तिहाई विधायक एक नया ग्रुप बनाते हैं तो उनकी सदस्यता नहीं जाएगी। लेकिन इसके बाद बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए और ऐसा महसूस किया कि पार्टी में टूट के प्रावधान का फायदा उठाया जा रहा है। इसलिए ये प्रावधान खत्म कर दिया गया। लगातार दलबदल से निपटने में कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 2003 में दसवीं अनुसूची में संविधान में निन्यानवे संशोधन का प्रस्ताव किया गया था। 16 दिसंबर 2003 को लोकसभा द्वारा और 18 दिसंबर 2003 को राज्यसभा द्वारा यह बिल पारित किया गया था। 1 जनवरी 2004 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई और संविधान (निन्यानवे संशोधन) अधिनियम - 2003 को 2 जनवरी 2004 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया। 2003 के अधिनियम के अनुसार दलबदल विरोधी कानून में एक राजनीतिक दल को किसी अन्य राजनीतिक दल में या उसके साथ विलय करने की अनुमति दी गई है। बशर्ते कि उसके कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य विलय के पक्ष में हों। इस प्रकार इस कानून के तहत एक बार अयोग्य सदस्य उसी सदन की किसी सीट पर किसी भी राजनीतिक दल से चुनाव लड़ सकते हैं। दलबदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी प्रश्नों पर निर्णय के लिये मामले को सदन के सभापति या अध्यक्ष के पास भेजा जाता है जो कि न्यायिक समीक्षा के अधीन होता है। इस कानून में यदि एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता को छोड़ देता है। यदि वह पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना अपने राजनीतिक दल या ऐसा करने के लिये अधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जारी किसी भी निर्देश के विपरीत सदन में मतदान करता है या मतदान से दूर रहता है। यदि कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। यदि छह महीने की समाप्ति के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कि अध्यक्षता में संसद भवन में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की बैठक में दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि इस पर अंतिम निर्णय से पहले सभी हित धारकों जैसे पीठासीन अधिकारियों, संवैधानिक विशेषज्ञों और कानूनी विद्वानों के साथ विचार विमर्श किया जाए। केन्द्र सरकार को शिघ्र ही दलबदल पर पूरी तरह से रोक लगाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करनी चाहिये। सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिये जिसमें दल बदलने वाले सदस्य की सदस्यता हर हाल में समाप्त हो सके। तभी राजनीति में नासूर बन चुके दलबदल के खेल पर पूरी तरह रोक लग पायेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं)

दरकती संवेदनाएं और निष्ठुर होता तंत्र

सोनम लववंशी

आठ साल का बच्चा, गोद में दो साल के भाई का शव! पिता शव ले जाने के लिए सस्ता वाहन ढूंढ़ रहे, क्योंकि एम्बुलेंस कम पैसे में मिल नहीं रही! मुरैना के अम्बाह की यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई! लोग टिप्पणी कर रहे हैं, पर उस वक्त इस घटना को देखकर भी अनदेखी करने वाले तब कहां थे। दरअसल, ये हमारी संवेदनाओं के भोथरा होने का चरमोत्कर्ष है! अब ऐसे दृश्य देखकर दिल नहीं कचोटता, पर सोचिए उस 8 साल के बच्चे के दिल पर डेढ़ घंटे क्या गुजरी होगी! जिस भाई का शव गोद में लेकर वो बैठा था, उसके साथ उसकी कई यादें जुड़ी होंगी। अपनी उम्र से कहीं ज्यादा बोझ दिल पर लिए वो मासूम अपने पिता की लाचारी व दुनिया से मदद की उम्मीद के लिए देख रहा होगा! दरअसल, यह घटना लोकतांत्रिक व्यवस्था और समाज दोनों की कलई खोलती है। ऐसी खबरें मीडिया की सुर्खियां बनीं, लेकिन मजाल है कि कोई व्यक्ति मदद के लिए आगे आया हो! तकरीबन डेढ़ घंटे तक ये छोटा बच्चा अपने भाई की लाश को लिए बैठा रहा। बाद में पुलिसवाले ने दरियादिली दिखाई और बच्चे की लाश को घर भेजा। वैसे यह कोई देश की पहली और आख़िरी द्रवित करने वाली तस्वीर नहीं, लेकिन मानवीय मूल्यों के क्षरण और तंत्र से उठते विश्वास की यह एक बड़ी बानगी है जिस पर सवाल उठने लाजिमी हैं। आज हम बड़ी-बड़ी इमारतों पर इतराते हैं। मानव सभ्यता अपने विकास के शीर्ष पर होने को लेकर इठलाती है, लेकिन इन बुलंदियों के बाद भी जब हम मानवीय स्तर और संवेदनाओं की बात करते हैं। फिर एक इंसान के रूप में अपने आपको सबसे निचले स्तर पर पाते हैं। विचारणीय प्रश्न है कि घटना के वक्त मासूम बच्चे की मनोस्थिति क्या होगी? उसके कोमल मन में भी इन दृश्यों को देखकर सवाल तो कई उठे होंगे? आख़िर वह उसका अपना ही छोटा भाई था। वीडियो में जो दिख रहा है उसके अनुसार, मुरैना में 8 साल का मासूम अपने 2 साल के भाई की लाश गोद में लेकर बैठा रहा। सफेद कपड़े से ढकी लाश पर मक्खियां भिनभिना रही हैं। बड़ा भाई मक्खियां उड़ाता फिर मदद की उम्मीद में इधर-उधर नजरें दौड़ाता। यह सब डेढ़ घंटे तक चलता रहा। उसका दिल छोटे भाई की मौत से भारी दिख रहा है। गोद नन्ही, लेकिन सबसे वजनी लाश से भारी हुई मालूम पड़ती है। निस्संदेह ऐसे दृश्य देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति की रूह कांप सकती, लेकिन यह तेज़ी से भागता समाज और विकास की गौरव-गाथा गाती लोकतांत्रिक सरकारों को उससे फ़र्क़ कहां पड़ा! तभी तो 1500 रुपये न होने की वज़ह से एक पिता अपने मृत बेटे की लाश गंतव्य तक ले जाने के लिए मशक्क़त करता रहा, लेकिन उसे फौरी रूप से न लोकशाही व्यवस्था से कोई मदद मिली और न सामाजिक स्तर पर। वो भला हो उन पुलिसकर्मियों का, जिनकी वज़ह से बच्चे की लाश को ले जाने के लिए गाड़ी मिल सकी, वरना मानवता और मानवीय मूल्य सड़क पर ही दम तोड़ चुके बच्चे की भांति अपनी अंतिम सांसें गिन रहे थे। एक पिता के लिए कितना मुश्किल वक्त रहा होगा। अपने ही कलेजे के टुकड़े की मौत होना। उस मौत पर दो आंसू भी न बहा पाना और गरीबी, लाचारी में मदद की गुहार लगाना। ऐसे में एक बात स्पष्ट है कि दर्द तो उस पिता को भी हुआ होगा, लेकिन विडंबना देखिए कि गरीबी के पीछे अपने दर्द को छुपा लिया। हमारा समाज भी बड़ा निर्दयी हो गया है। यहां संवेदनाएं भी अब हैसियत देखकर जाहिर की जाने लगी हैं। बड़े आदमी का कुत्ता भी बीमार हो जाए तो उसकी सुर्खियां बन जाती हैं, लेकिन एक गरीब का दर्द किसी को नजर नहीं आता। आज की युवा पीढ़ी में समय के साथ परिवर्तन जरूर आ गया है। किसी भी घटना का वीडियो बनाओ और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दो। ताकि लोग उस वीडियो को लाइक कर सकें। उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकें। ज्यादा हुआ तो गुस्सा ज़ाहिर कर दें। लेकिन सवाल यही है कि जब ऐसी घटना घटती है तो मदद के लिए कोई क्यों आगे नहीं आता है। पिता की तो अपनी मजबूरी थी जो उसने अपने दर्द को गरीबी के पीछे छुपा लिया पर उस मासूम बच्चे का क्या कसूर था जो उसे अपने ही भाई की लाश को गोद में लिए बैठना पड़ा। वो भी उस आस में कि कोई आए और उसके पिता की मदद कर सके। वह अपने छोटे भाई को घर ले जा सके। अपने मन को समझा सके कि अब उसका छोटा भाई इस दुनिया में नहीं रहा है। आज मानव संवेदनाएं भी सरकारी तंत्र की तरह हो गई हैं जिसे न कुछ दिखाई देता है न सुनाई देता है। बात रहनुमाई व्यवस्था की करें तो उसके लिए यह घटना शायद मायने ही न रखे क्योंकि गरीब का दर्द सरकार को न ही सुनाई देता है और न ही दिखाई देता है। उसके लिए तो मानो उनकी फाइलों में गांव का मौसम गुलाबी है। ऐसे में जिस दिन हमारी रहनुमाई व्यवस्था गरीब का दर्द समझ जाएगी उस दिन सही मायनों में देश विकास की बुलंदियों को छू लेगा।

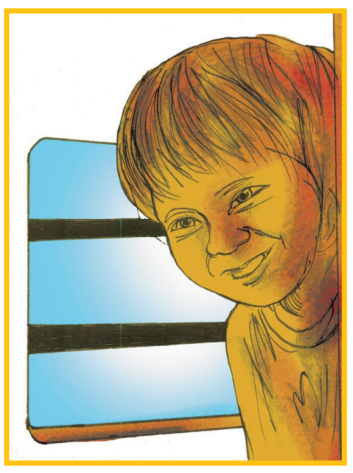

सू-दोकू नवताल -2169

5				7	6			
		1		9	4			6
7		6				8		
4	5			1			3	
9								8
	6			5			9	2
		7				1		4
8			9	2		7		
			4	8				3

सू-दोकू -2168 का हल

2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2169

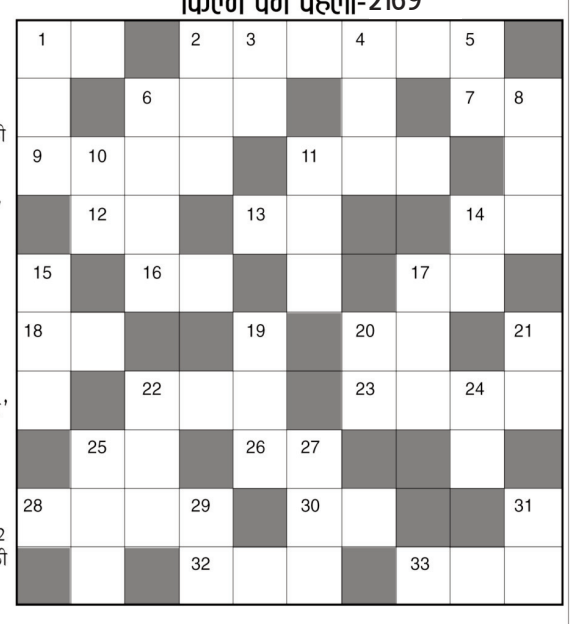

बायें से दायें:-

1. अमिताभ बच्चन, जया भादुड़ी की 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-2
2. 'तुझे जीवन की डोर से बांध लिया है' गीत वाली फिल्म-3,3
6. 'जाने वाले से मुलाकात ना होने पाई' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'प्रहार' में डिपल कपाड़िया के साथ नायक कौन-2
9. मनोजकुमार, बबीता की फिल्म-4
11. 'ये चांद खिला' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस अभिनीत फिल्म-3
12. आमिर खान, मनीषा कोइराला अभिनीत फिल्म-2
13. सुनील शेट्टी, रंभा अभिनीत फिल्म-2
14. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली फिल्म-2
16. जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
17. फिल्म 'जिद्दी' में रवीना टंडन के साथ नायक कौन था-2
18. बॉबी देओल, काजोल, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
20. एक प्रसिद्ध गायक जिसका असली नाम 'शान्तनु मुखर्जी' है-2
22. शाहरुख खान, माधुरी की फिल्म-3
23. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई' गीत वाली फिल्म-4
25. 'रात अंधेरी दूर सवेरा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका-2
28. 'मैं इक चोर तू मेरी रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-2,2
30. 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
32. अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-3
33. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर की 'हां हां ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. शत्रुघ्न सिन्हा, रीना राय अभिनीत फिल्म-3
2. राजेन्द्रकुमार, सायराबानो अभिनीत फिल्म-3
3. 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
4. ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. मेहमूद के ट्रिपल रोल वाली फिल्म 'हमजोली' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
6. गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-4
8. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन में कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
10. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी काटकर की फिल्म-2
11. शत्रुघ्न सिन्हा, संजयदत्त, शबाना, अनीता राज अभिनीत फिल्म-3
14. फिल्म 'बिच्छू' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-2
15. भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
17. 'आंखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-3
19. सुरेश, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
20. फिल्म 'दिलजले' में अजय देवगन के किरदार का या नाम था-2
21. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की अभिनीत फिल्म-2
22. विश्वजीत, वहीदा की 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
24. आशुतोष, शरदकपूर, रोहित, नेत्रा की फिल्म-2
25. दिलीप कुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
27. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
29. 'एक मैं और एक तू' गीत वाली फिल्म 'खेल खेल में' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
31. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा कोइराला की 'सपने में कुड़ी वो आंदी है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2168

बं	ध	न		व	जू	द		स	नी
दि		सी	मा		ही	रा		ब	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	स्त		दा	ग	
द		म	र्या	दा		भा	ई		जू
स	पू	त		री		भी		डो	ली

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जियो ने मई में 31 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े : ट्राई

मुंबई । रिलायंस जियो ने भारतीय दूरसंचार बाजार में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। कंपनी ने मई, 2022 में 31 लाख से अधिक नए मोबाइल ग्राहक जोड़े हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली है। सुनील मित्तल की अगुवाई वाली भारती एयरटेल ने मई माह में 10.27 लाख नए ग्राहक जोड़े हैं। इसके बाद उसके मोबाइल ग्राहकों की संख्या बढ़कर 36.21 करोड़ हो गई है। ट्राई के मासिक आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस जियो ने मई तक 31.11 लाख वायरलेस ग्राहक जोड़े हैं। अब उसके मोबाइल ग्राहकों की संख्या 40.87 करोड़ पर पहुंच गई है। इस दौरान वोडाफोन आइडिया ने अपने 7.59 लाख कनेक्शन गवाए हैं। उसके मोबाइल ग्राहकों की संख्या घटकर 25.84 करोड़ रह गई है।

एल्युमीनियम एयर बैटरी के उत्पादन को लेकर भारत और इजराइल की प्रमुख कंपनियों में समझौता

तेल अवीव । भारत और इजराइल की प्रमुख कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 'अत्याधुनिक एल्युमीनियम एयर बैटरी के उत्पादन को लेकर समझौता किया है। इन कंपनियों के बीच साझेदारी से भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन बढ़ेगा और चार्जिंग के बुनियादी ढांचे की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। साथ ही बैटरी का आयात भी कम होगा और ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के अभियान को बड़ा समर्थन भी मिलेगा। इन कंपनियों की तरफ से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, आदित्य बिड़ला समूह की धातु कंपनी हिंडाल्को ने इजराइल की धातु-एयर बैटरी तकनीक कंपनी फिनर्जी और आईओसी फिनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। आईओसी फिनर्जी दरअसल आईओसी और फिनर्जी का संयुक्त उद्यम है। यह समझौता एल्युमिनियम एयर बैटरी तैयार करने को लेकर हुआ है। एल्युमिनियम एयर बैटरी को फिनर्जी ने तैयार किया है। यह बैटरी वजन में हल्की होती है और इसमें ऊर्जा क्षमता अधिक होती है, इससे इलेक्ट्रिक वाहन अन्य बैटरी की तुलना में अधिक दूरी तय कर सकते हैं।

सिम कार्ड का स्थान लेगी 'ई' सिम

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल दुनिया में जल्द ही भारी परिवर्तन देखने को मिलेगा। सिम कार्ड और नैनो सिम का स्थान अब ई सिम लेगी। मोबाइल फोन और डिजिटल विशेषज्ञों के अनुसार नए फोन में सिम कार्ड के स्थान पर ई सिम का प्रयोग किया जाएगा। एक मोबाइल फोन पर दो ई सिम को एक्टिवेट करने का प्रावधान मोबाइल फोन में किया जा रहा है। यूरोप और एशिया के कुछ देशों में ई सिम का प्रचलन बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है।ई सिम के आ जाने से सर्विस प्रोवाइडर बदलने पर अब सिम कार्ड नहीं बदलना पड़ेगा। सर्विस ऑपरेटर के स्टोर पर जाने के स्थान पर, ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड को साइन अप करके ई सिम को एक्टिवेट किया जा सकेगा। इसमें सुरक्षा भी ज्यादा होगी। आगामी 5 वर्षों में लगभग 80 फ़ीसदी फोन में ई सिम का प्रयोग शुरू हो जाएगा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। विदेशी बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी बाजार में यह उछाल विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने से आया। इस प्रकार दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 246.47 अंक करीब 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ ही 54,767.62 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.05 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी बढ़कर 16,340.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, डॉ. रेड्डीज और एशियन पेंट्स के शेयर गिरे हैं। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है जबकि जापान का निक्की व चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ के साथ ही ऊपर आया। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा जबकि अमेरिकी बाजार नुकसान में रहे।

रुपया 79.97 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 79.97 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया छह पैसे की तेजी के साथ 79.92 (अस्थायी) रुपये पर बंद हुआ। एक समय रुपया कारोबार के दौरान 80.05 रुपये प्रति डॉलर के निम्नतम स्तर तक पहुंच गया था पर बाद में घरेलू शेयर बाजार और क्षेत्रीय मुद्राओं में तेजी से इसमें सुधार आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 80.00 प्रति डॉलर पर खुला था। बाद में रुपये में कुछ सुधार आया और यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की तेजी के साथ ही 79.92 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 16 पैसे की गिरावट के साथ 79.98 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप, अन्य देशों की मुद्राओं में मजबूती और शेयर बाजार में तेजी से रुपये में सुधार आया। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.66 फीसदी घटकर 106.66 अंक पहुंच गया है।

सोने में हल्की बढ़त, चांदी टूटी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में बढ़त आई है जबकि चांदी नीचे आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें छह रुपये की मामूली बढ़त के साथ ही 50,290 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयीं जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 50,284 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 137 रुपये की गिरावट के साथ ही 55,539 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गयी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 55,676 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव छह रुपये बढ़ा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,711 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 18.80 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

भारत के जीडीपी ग्रोथ अनुमान में मॉर्गन स्टेनली ने की कटौती, एफवाई23 में 7.2 फीसदी रह सकती है वृद्धि दर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने भारत के जीडीपी ग्रोथ रेट अनुमान को घटाया है। ब्रोकरेज कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 (एफवाई 23) के लिए इसे घटाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। कंपनी का कहना है कि कठिन वित्तीय स्थिति और ग्लोबल ट्रेड में सुस्ती ने दुनिया भर की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया है। ब्रोकरेज फर्म ने पहले 7.6 फीसदी ग्रोथ रेट का अनुमान जताया था। इसका मतलब है कि ब्रोकरेज फर्म ने पहले के अनुमान में 40 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की है। मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि 2023-24 में भारत की जीडीपी की वृद्धि दर घटकर 6.4 फीसदी पर आ जाएगी। यह पूर्व में लगाए गए अनुमान से 0.30 फीसदी कम है। ज्यादातर विश्लेषकों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में ग्रोथ रेट 7 फीसदी से ऊंची रहेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्रोथ रेट 7.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। मॉर्गन स्टेनली ने एक नोट में कहा, 'वैश्विक वृद्धि दर में सुस्ती, आपूर्ति पक्ष की दिक्कतों की वजह से जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी और वित्तीय मोर्चे पर सख्ती की वजह से पैदा हुए जोखिमों से भारत की वृद्धि दर पूर्व में लगाए गए अनुमान से कम रहेगी।' नोट में कहा गया है कि दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में वैश्विक वृद्धि दर घटकर 1.5 फीसदी रहेगी। एक साल पहले समान अवधि में यह 4.7 फीसदी थी। इसका भारत की निर्यात वृद्धि पर असर पड़ेगा। मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य को भी 7 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। नोट में कहा गया है कि अप्रैल, 2023 तक मुख्य नीतिगत दर रेपो बढ़कर 6.5 फीसदी हो जाएगी, जो अभी 4.9 फीसदी है।

पैकेट बंद खाद्य उत्पादों पर 5 फीसदी जीएसटी लगाया

अमूल की दही-लस्सी महंगी, जल्द बढ़ेंगे दूध के भी दाम

नई दिल्ली।

केंद्रीय वस्तु सेवा कर (जीएसटी) परिषद की ओर ने पैकेट वाले खाद्य उत्पादों पर 5 फीसदी जीएसटी लगा दी है जिसके चलते आज मंगलवार से अमूल की दही और लस्सी, छाछ महंगी हो गई है। कंपनी ने बताया कि जल्द ही दूध के दाम भी बढ़ाए जा सकते हैं। 18 अप्रैल से इन उत्पादों पर जीएसटी लागू होने के बाद आज से इनकी कीमतों में भी उछाल देखा जा रहा है। दिल्ली-यूपी की बात करें तो 200 ग्राम का दही अब 16 रुपये के बजाए 17 रुपये में मिलेगा, जबकि 400 ग्राम का दही का पैकेट 30 रुपये की जगह अब 32 रुपये का मिलेगा। इसी तरह, 1 किलो के दही का पैकेट अब 65 रुपये की जगह 69 रुपये में बिक रहा है। इसके अलावा मट्ठा पाउच अब 10 रुपये की जगह 11 रुपये में मिलेगा, अमूल फ्लेवर्ड मिल्क की बोतल भी अब 20 के बजाए 22 रुपये में बिक रही है। इसी तरह, मट्ठा टेट्रा पैक वाला 200 एमएल की पैकेट 12 रुपये की जगह 13 रुपये में मिलेगा। अमूल ने मुंबई में अपने 200 ग्राम का दही का कप अब 21 रुपये में कर दिया है, जो पहले 20 रुपये में था। इसी तरह, 400 ग्राम दही का कप अब 42 रुपये में मिलेगा, जो पहले 40 रुपये में मिलता था। पाउच में मिलने वाला 400 ग्राम का दही भी अब 32 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 30 रुपये में मिलता था। 1 किलोग्राम का पैकेट भी अब 65 रुपये की जगह 69 रुपये में मिलेगा। मुंबई में 500 ग्राम का छाछ का पैकेट अब 15 की जगह 16 रुपये में मिलेगा, जबकि 170 एमएल की लस्सी भी अब 1 रुपये महंगी हो गई है। हालांकि, 200 ग्राम की लस्सी 15 रुपये में ही मिलती रहेगी। अमूल के मैनेजिंग डाइरेक्टर आरएस सोढ़ी का कहना है कि हम छोटे पैकेट पर बढ़ी कीमतों को खुद वहन करेंगे लेकिन कुछ उत्पादों पर जीएसटी बढ़ने की वजह से दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। जीएसटी लागू होने के बाद दाम बढ़ाने का फैसला सबसे पहले अमूल ने किया है। बाजार के जानकारों ने अब कयास लगाना शुरू कर दिया है कि जल्द ही दूसरी कंपनियां भी अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। अमूल के अलावा आनंदा, पराग, कैलाश, मदर डेरी, गोपाल और मधुसूदन जैसी कंपनियां भी दही, मट्ठा, दूध, पनीर, घी आदि की सप्लाई करती हैं। माना जा रहा है कि इन कंपनियों के दही, छाछ और लस्सी जल्द महंगे हो जाएंगे। कर्नाटक में मैसूरू डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर सोसाइटी यूनियन ने अपने नंदिनी ब्रांड के दही की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब इसकी 200 ग्राम की पैकेट का मूल्य 12 रुपये हो गया है, जबकि 500 ग्राम का पैकेट 24 रुपये में मिलेगा। इसी तरह, 1 किलोग्राम का पैकेट 46 रुपये मिलेगा। नंदिनी मसाला छाछ का 200 ग्राम का पैकेट 8 रुपये में मिलेगा, जबकि 200 ग्राम की मीठी लस्सी अब 11 रुपये में मिलेगी।

अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार सहयोग बढ़ाने की जरूरतः गोयल

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत सौर ऊर्जा, अवसंरचना, सैन्य सहयोग एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी के अहम क्षेत्रों में अफ्रीकी देशों का एक मूल्यवान भागीदार हो सकता है। गोयल ने कहा कि भारत एवं अफ्रीकी देशों के बीच व्यापार काफी हद तक संतुलित है। भारत इन देशों का जहां 40 अरब डॉलर का निर्यात करता है, वहीं इन देशों से आयात करीब 49 अरब डॉलर है। गोयल ने कहा, हम आगे भी इस संबंध एवं भागीदारी को जारी रखना चाहते हैं, जिसमें दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की आर्थिक वृद्धि में मददगार साबित हों। भारत एवं अफ्रीकी देश विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय आबादी के लिए किफायती एवं असरदार समाधान लाने में मिलकर काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, भारत अफ्रीका के 1.4 अरब लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए अपनी तरफ से दोस्ती के रिश्ते को मजबूत करना चाहेगा। आपसी भागीदारी के चार ऐसे क्षेत्र हैं जो अफ्रीका एवं भारत के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं।'' उन्होंने आपसी सहयोग के इन संभावित क्षेत्रों में सौर ऊर्जा, भौतिक एवं डिजिटल अवसंरचना, रक्षा क्षेत्र में सहयोग और स्टार्टअप पारिस्थितिकी के विकास को शामिल करते हुए कहा कि भारत अफ्रीकी देशों में वृद्धि का अहम भागीदार बनने के लिए तैयार है। गोयल ने कहा कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग अफ्रीकी देशों के अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने में खुश होगा ताकि इस क्षेत्र की मदद करने के संभावित तरीके पता लगाए जा सकें।

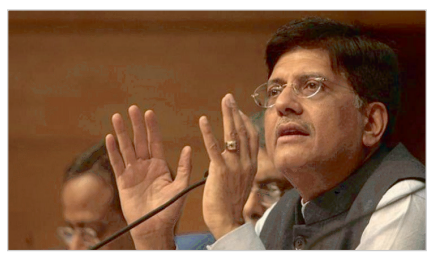

ट्रेनों में प्री कैटरिंग बुक न करने वालों को सर्विस चार्ज से राहत, चाय-कॉफी 70 के बजाए 20 की ही मिलेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में सफर करने वाले अपने यात्रियों को पहले से खाने पीने के सामान को बुक न करने वाले मुसाफिरों को चाय, कॉफी रेट में काफी राहत दे दी है। अब चलती ट्रेन में यात्रियों को 20 रुपये की चाय, कॉफी उसी दर पर मिलेगी, यानी उन्हें अब सर्विस चार्ज के रूप में 50 रुपये अतिरिक्त नहीं देने पड़ेंगे। पहले यह चाय, कॉफी सर्विस चार्ज समेत 70 रुपये की पड़ती थी। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। ट्रेनों में पहले से खानपान की सर्विस बुक न करने वाले यात्रियों से अब नए आदेश के तहत कैटरिंग का चार्ज लिया जाएगा।

ट्रेनों में अगर यात्री खानापान की सर्विस की बुकिंग टिकट के साथ नहीं करता है तो उन्हें चलती ट्रेनों में खानपान ऑर्डर करने में महंगा पड़ता है। ट्रेनों में कैटरिंग सर्विस से कोई भी चीज मंगाने पर 50 रुपये का सर्विस चार्ज देना पड़ता था, वो चीज चाहे 20 रुपये की हो या 200 रुपये की। इससे सेकेंड थर्ड या चेयर कार में केवल चाय, काफी का ऑर्डर देने वाले यात्रियों को काफी महंगा पड़ता था, उन्हें 20 रुपये की चाय, कॉफी सर्विस चार्ज के साथ 70 रुपये की पड़ती थी। हालांकि अन्य चीजें पहले से खानपान की सुविधा बुक न करने वाले यात्रियों को महंगी पड़ेंगी। इसलिए टिकट बुक कराते समय यात्रियों को खानपान की सर्विस बुक कराना सस्ता रहेगा। पिछले दिनों इस तरह का एक मामला मीडिया में काफी हाईलाइट हुआ था। इसी को ध्यान में रेलवे बोर्ड ने यात्रियों को राहत देने के लिए फैसला लिया है। फर्स्ट एसी और सेकेंड,थर्ड व चेयरमकार में कैटरिंग के चार्जेस अलग-अलग हैं।

ट्रेनों में कैटरिंग की सर्विस उपलब्ध कराने वाली आईआरसीटीसी अब नए आदेश के तहत यात्रियों से चार्ज लेगी।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार उछाल पर, इथेरियम का भी बाजार में बढ़ रहा दबदबा

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में निरंतर उछाल जारी है और आज भी बाजार ने शार्ष का रुख किया हुआ है। क्रिप्टो मार्केट कैपिटलाइजेशन एक बार फिर से 1 ट्रिलियन डॉलर निकल गया है। भारतीय समयानुसार सुबह 9:25 बजे तक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 4.33 फीसदी बढ़त के साथ 1.02 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। आज इथेरियम के साथ-साथ बिटकॉइन भी बढ़ रहा है। क्राइन मार्केट कैप के आंकड़ों के हिसाब से खबर लिखे जाने के समय तक दूसरे सबसे बड़े क्राइन इथेरियम में जबदस्त उछाल देखने को मिला है। इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 8.05 प्रतिशत बढ़कर 1,517.82 डॉलर पर पहुंच गया है। अगर हम बात करें पिछले 7 दिनों की तो ईथर में 39.91 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि हुई है। बिटकॉइन 3.06 फीसदी की तेजी के साथ 21,912.09 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। यह एक सप्ताह में 10.01 फीसदी बढ़ा है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में आज बिटकॉइन का प्रभुत्व 41.3 फीसदी है तो इथेरियम 17.2 फीसदी है। इथेरियम में इस सप्ताह आई तेजी के चलते इसका दबदबा लगातार बढ़ रहा है। इसके अलावा मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से पॉलिगॉन मेटिक में पिछले सात दिनों में 59.31 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया है। आज इसका बाजार भाव 0.9179 डॉलर है। आज खबर लिखने तक यह क्रिप्टोकरेंसी 14.63 प्रतिशत बढ़ चुकी थी। कल यह लगभग 9 फीसदी उछला था।

साबुन से सिगरेट तक बनाने वाली कंपनी आईटीसी ने 60 दृष्टिहीनों पर खेला दांव, दिया सूंघने का कार्य

नई दिल्ली ।

कहा जाता है जिन लोगों का कोई इंद्री काम नहीं करती उन लोगों की अन्य इंद्री कुछ ज्यादा सक्रिय होती है इसी ईश्वरीय देन के मद्देनजर साबुन से सिगरेट तक बनाने वाली कंपनी आईटीसी ने करीब 60 दृष्टिहीन लोगों पर दांव खेला और इनको भर्ती किया है और उन्हें फेगरेंस बेचने का काम सौंपा है। इससे कंपनी इन दृष्टिहीन लोगों की जिंदगी तो बदल ही रही है, साथ ही अपने प्रोडक्ट को एक अलग तरीके से लोगों के बीच में पेश कर रही है। इस वक्त भारतीय फेगरेंस मार्केट में ऐसे लोगों की तगड़ी डिमांड है जिनकी सूंघने की शक्ति बहुत अधिक हो। जो लोग देख नहीं सकते, उनकी सूंघने की ताकत आम आदमी से अधिक होती है। आप कभी खुद ही गौर कीजिएगा कि जब कभी आप किसी चीज की खुशबू को दिल से महसूस करना चाहते हैं तो आंख बंद कर के सूंघना पसंद करते हैं। यहां तक कि अगर आप कुछ ध्यान से सुनना चाहें तो भी आप आंखें बंद कर लेते हैं। तो जरा सोचिए, जो देख ही नहीं सकते, उनके लिए सूंघ कर चीजें पहचानना कितना आसान होगा। देखा जाए तो वह किसी चीज को सूंघकर पहचानने में नेचुरली ट्रेंड लोग हैं। चेन्नई की लोकल ट्रेनों में 39 साल के नरसिम्मन नाम के एक दिव्यांग अक्सर दिखते थे, जो दृष्टिहीन हैं। वह ट्रेन में बच्चों के खिलौने, फोन के कवर, कार्ड पाउच, ईयरफोन और चार्जिंग केबल जैसी चीजें बेचते थे। अब उन्हें आईटीसी ने नौकरी पर रख लिया है। उनकी भर्ती आईटीसी के ब्रांड मंगलदीप के लिए की गई है। अब वह मंगलदीप छठी इंद्री का हिस्सा हैं। नरसिम्मन उन 60 दृष्टिहीन लोगों में से एक हैं, जिन्हें कंपनी ने नौकरी पर रखा है।

आईटीसी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा है कि कंपनी इन दृष्टिहीन लोगों की सूंघने की क्षमता बढ़ाने पर उन्हें ट्रेनिंग दे रही है और साथ ही उन्हें सर्टिफिकेट भी दे रही है। इन सर्टिफिकेट की मदद से यह लोग फेगरेंस के फील्ड में काम करने वाली अन्य कंपनियों में भी अपनी सेवाएं दे सकेंगे। फ्लेवर और फेगरेंस में डील करने वाली एक कंपनी के मालिक मनोज अरोरा कहते हैं कि भारत में नेचुरल इसेंशियल ऑयल और एरोमा का भंडार है।

यहां तक कि इसेंशियल ऑयल मार्केट को अभी तक किसी ने पकड़ा भी नहीं है। कंपनी ने नोएडा में एक नई फैसिलिटी बनाने में करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व चैम्पियनशिप में 5वें स्थान पर रही एलिसा

लंदन ।

विश्व की सबसे खूबसूरत एथलीटों में से एक एलिसा शिमट अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप की चार गुणा चार सौ मीटर रेस में 5वें स्थान पर रही। इस प्रकार वह फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाईं। शिमट ने कहा , वह परिणाम हमें नहीं मिला जो हम चाहते थे पर हमें आगे बढ़ने की उम्मीद है। अगले सप्ताह शनिवार को 4×डुद्वश्च;400 मीटर रिले रेस पर हमारी नजरें हैं। इसमें हमें विश्व चैम्पियनशिप के अनुभवों का लाभ मिलेगा। शिमट को विश्व का सबसे सेक्सी एथलीट माना जाता है। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर ही उनके 30 लाख फॉलोअर्स हैं। वह मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉलर एर्लिंग हैलैंड और नेमार सहित अन्य खेलों के खिलाड़ियों के साथ भी देखी जाती हैं। पिछले साल उन्हें टोक्यो में जर्मनी की ओलंपिक टीम में शामिल होने से रोक दिया गया था। इसके बाद भी उसने अच्छी वापसी की है।

स्टोक्स के संन्यास से उठे सवाल

लंदन ।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के 31 साल की उम्र में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। इससे यह भी साफ है कि आजकल अत्याधिक क्रिकेट हो रहा है जिससे खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रुप से टूट रहे हैं। स्टोक्स ने कहा है कि काफी अधिक क्रिकेट के कारण शरीर पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव को देखते हुए ही उन्होंने यह कदम उठाया है। ऐसे में अगर अब भी विश्व भर के क्रिकेट बोर्ड नहीं संभले और पैसे के लिए खेल के मुकाबले इसी प्रकार चलते रहे तो कई खिलाड़ी कम उम्र में ही खोने पड़ेंगे।

स्टोक्स का संन्यास बताता है कि पिछले कुछ सालों में क्रिकेट काफी ज्यादा खेला जा रहा है। सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज ही नहीं, बल्कि आईसीसी इवेंट भी काफी हो रहे हैं। इससे खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक तौर पर बिखर रहे हैं। स्टोक्स का संन्यास विश्व क्रिकेट के लिए एक चेतावनी भर है। इसी प्रकार एक दशक पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी अचानक ही खेल को अलविदा कह दिया था। . तब पीटरसन की उम्र भी 30 के करीब ही थी। पीटरसन भी लगातार व्यस्त कार्यक्रम से थक गये थे। इंग्लैंड काफी ज्यादा क्रिकेट खेल रहा। ऐसे में स्टोक्स जैसे खिलाड़ी, जो मैदान पर जीत के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं। उन्हें किसी न किसी प्रारुप को तो छोड़ना ही था। इससे इंग्लैंड के अलावा दुनिया भर के क्रिकेट बोर्ड को सतर्क हो जाना चाहिये हालांकि आईसीसी या दुनिया भर के क्रिकेट बोर्ड की सोच में बदलाव की अभी भी उम्मीद नहीं है। आईसीसी की अगले हफ्ते बर्मिंघम में 2023 से 2027 भविष्य दौरा कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए आम बैठक होनी है. हालांकि, इस बैठक में कुछ बदलाव की उम्मीद नहीं है। होगा. एफटीपी का कार्यक्रम दिखाता है कि अगले 4 साल में किस देश को कितना क्रिकेट खेलना है। इसमें इंग्लैंड को ही इस चार साल की अवधि में 42 टेस्ट, 44 एकदिवसीय और 52 टी20 खेलने हैं। इसके अलाव आईसीसी के अलग मुकाबले भी होंगे। इसी प्रकार भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई टीमों को भी तकरीबन इतने ही मुकाबले खेलने हैं। अन्य टीमों को को भी इसी प्रकार से मुकाबले खेलने होंगे। भारतीय टीम के भी खिलाड़ी आईपीएल के पहले से ही लगातार खेल रह हैं। जिसके बारे में भी भारतीय बोर्ड को विचार करना होगा।

राजीव शुक्ला को अब बीसीसीआई उपाध्यक्ष पद छोड़ना होगा

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का इस्तीफा अब तय हैं। राजीव शुक्ला राज्यसभा के लिए सांसद चुने गए हैं। उन्होंने सांसद के तौर पर शपथ भी ले ली है। ऐसे में बीसीसीआई संविधान के अनुसार उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। जिसमें कहा गया है कि कोई भी लोक सेवक एक साथ दो पद पर नहीं रह सकता है। गुरुवार को होने वाली बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक में अब उन्हें लेकर घोषणा हो सकती है।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'संविधान के अनुसार, उन्हें पद छोड़ना होगा हालांकि हमारी अभी इस बारे में बात नहीं हुई है। इसका कारण है कि अधिकतर पदाधिकारी अभी तक इंग्लैंड में थे। हमें शीर्ष परिषद की बैठक में इस पर बाता करने का अवसर मिलेगा। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि वह अब तक अपना पद छोड़ेंगे। नियम 7.2 के अनुसार, 'अध्यक्ष के उपलब्धि नहीं होने पर उपाध्यक्ष ही अध्यक्ष के रुप में कार्य करता है। उपाध्यक्ष ऐसे कार्यों और कर्तव्यों का पालन करेगा जो उसे सामान्य निकाय या सर्वोच्च परिषद द्वारा सशक्त किए जा सकते हैं।

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष को बीसीसीआई के पदाधिकारियों के रूप में नामित किया गया है। संविधान किसी भी पदाधिकारी को बीसीसीआई अधिकारी के रूप में बने रहने से रोकता है यदि वे लोक सेवक के रूप में कोई भूमिका निभाते हैं। यह विशेष रूप से राजनेताओं को बीसीसीआई में पद ग्रहण करने से रोकने के लिए बनाया गया था।

लोढ़ा समिति की सिफारिशों को अपनाए जाने के बाद बीसीसीआई का संविधान कहता है कि कोई भी सरकार या लोक सेवक बीसीसीआई में किसी पद पर नहीं रह सकता है।

बीसीसीआई के संविधान में कहा गया कि अगर कोई व्यक्ति या अधिकारी, मंत्री या सरकारी कर्मचारी है तो उसे पदाधिकारी, संचालन परिषद या किसी समिति या किसी अन्य संगठन का सदस्य होने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

हर्षदा ने जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली ।

भारत की हर्षदा गरुड़ ने ताशकंद में आयोजित एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैम्पियनशिप के महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। हर्षदा ने 45 किग्रा वर्ग में कुल 157 किग्रा (69 किग्रा और 88 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। हर्षदा ने इस प्रकार जूनियर विश्व चैंपियनशिप में खिताब जीतने के दौरान उठाए 153 किग्रा (70 किग्रा और 83 किग्रा) वजन से चार किलो वजन अधिक उठाया है। वहीं भारत की ही सौम्या दलवी को 45 किग्रा युवा वर्ग में कांस्य पदक मिला। इस कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी ने कुल 145 किग्रा (63 किग्रा और 82 किग्रा) भार उठाया। दूसरी ओर पुरुषों के 49 किग्रा युवा वर्ग में भारत के ही एल धनुष को 85 किग्रा वजन उठाकर स्नैच वर्ग में कांस्य पदक मिला है। वह हालांकि कुल भार के आधार पर 185 किग्रा (85 किग्रा और 100 किग्रा) वजन उठाकर चौथे स्थान पर रहे।

अनीश और रिद्धम की जोड़ी ने आईएसएसएफ निशानेबाजी में कांस्य जीता

चांगवन।

भारत के अनीश भानवाला और रिद्धम सांगवान की जोड़ी ने आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। अनीश और रिद्धम ने कांस्य पदक के लिए हुए प्लेआफ मुकाबले में चेक गणराज्य की अन्ना देदोवा और मार्टिन पोद्रास्की की जोड़ी को 16-12 से हराया। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की इस जोड़ी का यह दूसरा पदक है। इस जोड़ी ने इससे पहले इस साल मार्च में काहिरा विश्व कप में 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम अभी पांच स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक के साथ ही कुल 14 पदक के लेकर विश्व कप की पदक तालिका में नंबर एक पर है। इससे पहले, भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की 50 मीटर थ्री पोजीशंस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

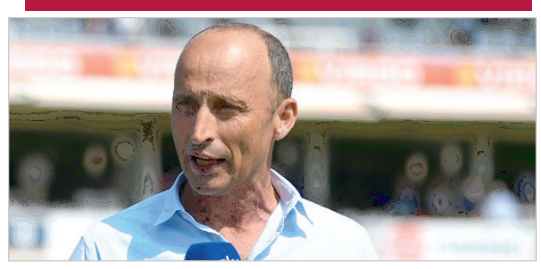

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी के व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम पर भड़के इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के अचानक ही एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब आईसीसी के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना शुरु हो गयी है। पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि अत्याधिक व्यस्त कार्यक्रम के कारण खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रुप से थकान का शिकार हो रहे हैं। पूर्व कप्तान ने कहा, ' स्टोक्स का 31 की उम्र में संन्यास लेना निराशाजनक है। इससे यह पता चलता है कि अभी क्रिकेट कार्यक्रम कैसा है। यह खिलाड़ियों के लिए थका देना वाला है।' उन्होंने कहा, 'अगर आईसीसी अपने क्रिकेट कार्यक्रम बनायेगा और विभिन्न क्रिकेट बोर्ड इसके बचे हुए समय में अपने टूर्नामेंटों का आयोजन करेंगे तो खिलाड़ी थकान के कारण ज्यादा लंबे समय तक नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, 'स्टोक्स ने महज 31 साल की उम्र में एक प्रारूप को अलविदा कह दिया, यह सही नहीं हो सकता। क्रिकेट कार्यक्रम पर को एक बार फिर देखने की जरुरत है। वर्तमान समय में यह मजाक की तरह लगता है।' हुसैन ने कहा, 'मेरे लिए स्टोक्स के संन्यास के बारे में सुनना हैरानी भरा था। उन्होंने 2019 में टीम को सबसे बड़ी सफलता दिलाई। अगर आप मुझ से इस टीम से एक खिलाड़ी को चुनने के लिए कहेंगे तो स्टोक्स सबसे बड़े मैच विजेता हैं। स्टोक्स ने हालांकि 2019 विश्व कप के बाद सिर्फ नौ एकदिवसीय मैच खेले हैं। वह चोट, मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक और कार्यभार प्रबंधन के तहत लंबे समय तक टीम से बाहर रहे। वहीं पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी कहा कि खिलाड़ियों के बोझ को कम करने के लिए टीमों को द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में कटौती करनी होगी। इसके साथ ही लीग मुकाबले भी कम करने होंगे।

सिमंस ने अंतरराट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

जमैका । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज लेंडल सिमंस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। सिमंस ने सोशल मीडिया के जरिये अपने संन्यास की घोषणा की है। सिमंस ने कुछ दिनों पहले ही वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को इस बारे में जानकारी दे दी थी। सिमंस के अनुसार वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं पर घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। कैरेबियन प्रीमियर लीग की टीम त्रिनबगो नाइट राइडर्स ने भी अपने ट्विटर हैंडल के जरिए सिमंस के संन्यास की जानकारी दी है। सिमंस इसी टीम से खेलते हैं। सिमंस ने 16 साल तक वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट खेला है। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 8 टेस्ट, 68 एकदिवसीय और 68 टी20 खेलते हुए कुल 3763 रन बनाये हैं। सिमंस ने पाकिस्तान के खिलाफ फैसलाबाद में 2006 में अपना वनडे डेब्यू किया था पर तब वह एक भी रन नहीं बना पाये। सिमंस का टेस्ट में रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। उन्होंने 8 टेस्ट खेले पर वह एक भी शतक नहीं लगा पाये। टी20 में जरूर उनके नाम कई रिकार्ड हैं। सिमंस ने 2016 में वेस्टइंडीज को दूसरी बार टी20 का विश्व चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब उन्होंने सेमीफाइनल में 51 गेंद में 82 रन बनाये थे। सिमंस ने टी20 में 120.80 के स्ट्राइक रेट से कुल 1527 रन बनाए हैं। उन्होंने टी20 में 9 अर्धशतक भी लगाए हैं। सिमंस का फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट का करियर भी शानदार रहा. उन्होंने मुंबई इंडियंस, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, कराची किंग्स और सिलहट सनराइजर्स जैसी कई टीमों की ओर से खेला है।

22 जुलाई से भारत-वेस्टइंडीज में होगी एकदिवसीय सीरीज

मुम्बई।

शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीम अपने वेस्टइंडीज दौरे में 22 जुलाई से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कई अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसे में निकोलस पूरन की कप्तानी वाली मेजबान वेस्टइंडीज टीम भारत की युवा टीम पर दबाव बनाने का पूरा प्रयास करेगी। वेस्टइंडीज को हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका मनोबल कमजोर है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। वेस्टइंडीज दौरे पर ऑलराउंडर रविद्र जडेजा को एकदिवसीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है। ऐसे में अब उनपर इस दौरे में अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करने का दबाव रहेगा। इस सीरीज में लोकेश राहुल और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को भी शामिल किया गया है। सर्जरी के बाद लौटे राहुल को टी20 सीरीज के लिए उपकप्तान बनाया गया है। .

भारतीय टीम अपने इस दौरे पर 3 एकदिवसीय के बाद 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। टी20 में भारतीय टीम की कप्तानी नियमित कप्तान रोहित शर्मा के पास रहेगी। सीरीज का पहला एकदिवसीय 22 जुलाई को जबकि दूसरा और तीसरा मैच 24 और 27 जुलाई को होगा। एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैच त्रिनिडाड के पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल ग्राउंड पर खेले जाएंगे। ये मैच शाम 7:00 बजे से खेले जाएंगे।

एकदिवसीय सीरीज के लिए दोनो टीमें इस प्रकार हैं :

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम:

शिखर धवन (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुडा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह।

निकोलस पूरन (कप्तान), शाई होप (उपकप्तान), शामराह ब्रूक्स, केसी कार्टी, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसफ, ब्रेंडन किंग, काइल मायेर्स, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, रोवमैन पॉवेल और जयडेन सील्स।

आईपीएल की तर्ज पर दक्षिण अफ्रीका शुरु कर रहा टी20 लीग

6 टीमें आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों ने खरीदीं

मुम्बई । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने आईपीएल की तरह ही एक टी20 लीग लॉन्च की हैं। यह टूर्नामेंट 2023 में होने वाले आईपीएल से पहले खेला जाएगा। इसमें भाग लेने वाली 6 टीमों को आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों ने ही खरीदा है। इसलिए इसे मिनी आईपीएल भी कहा जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाली टीमें हैं मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स। इस टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल जनवरी में होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई इंडियंस , चेन्नई सुपर किंग्स , दिल्ली कैपिटल्स , सनराइजर्स हैदराबाद , लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के मालिकों ने इसमें टीमें खरीदी हैं। आधिकारिक घोषणा हालांकि अभी तक नहीं हुई है पर फ्रेंचाइजी के मालिकों को उनकी सफल बोलियों के बारे में बता दिया गया है और उनसे पसंद के शहरों के बारे में भी पूछा गया है। आईपीएल की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस केपटाउन, चेन्नई सुपर किंग्स जोहानिसबर्ग और दिल्ली कैपिटल्स की टीम सेंचुरियन आधारित होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स ने टीमें खरीदने के लिए करीब 250 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। आईपीएल मॉडल के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को 10 साल के लिए फ्रेंचाइजी फीस का 10 फीसदी का भुगतान करना होगा।

राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले खिलाड़ियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करेंगे मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी समय-समय पर सभी खेलों के खिलाड़ियों से मिलते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए उत्साहित करते हैं। इसी के तहत अब वह राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से भी मिलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी भारतीय दल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करेंगे। 28 जुलाई से शुरू हो रहे राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले मोदी 20 जुलाई को सुबह 10 बजे भारतीय दल से वीडियो कान्फ्रेंसिग के जरिए बातचीत करेंगे और उनका हौंसला बढ़ाएंगे। इस बार भारत की ओर से 215 एथलीट 19 अलग-अलग खेलों में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष हुए टोक्यो ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों का भी मनोबल बढ़ाया था। मोदी ने ओलंपिक में रवाना होने के समय से लेकर खेलों के दौरान भी खिलाड़ियों को बिना किसी दबाव के खेलने को कहा था। ओलंपिक से वापस लौटने के बाद भी उनकी खिलाड़ियों से मुलाकात हुई थी। ओलंपिक के बाद भी उन्होंने तकरीबन सभी खिलाड़ियों से बातचीत की थी और सबके बारे में विस्तार से जाना था। मोदी के इस कदम से सभी खिलाड़ी खुश हुए थे। एथलीटों ने कहा था कि जब प्रधानमंत्री आपका हौंसला बढ़ाते हैं तो अच्छा लगता है और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों में चानू सहित सभी भारोत्तोलकों से पदक की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) को बर्मिंघम में होने वाले आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई सहित सभी भारोत्तोलकों से पदकों की उम्मीद हैं। भारत का 15 सदस्यीय दल इन खेलों में भाग ले रहा है। पिछली बारगोल्ड कोस्ट में हुए 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने पांच स्वर्ण सहित नौ पदक जीते थे। इस साल भी सभी 15 भारोत्तोलक पदक जीतने में सक्षम हैं। इनमें से हालांकि कुछ से ही स्वर्ण पदक की उम्मीद है। आईडब्ल्यूएलएफ और मुख्य कोच विजय शर्मा ने चानू को पहले 55 किग्रा भार वर्ग में उतारने की योजना बनाई थी। चानू का राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का माना जा रहा है। झिली डालबेहड़ा और एस बिंदियारानी देवी को क्रमशः 49 किग्रा और 59 किग्रा वर्ग में जबकि पोपी हजारिका को 64 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेना था पर इनकी प्रविष्टियों को नए नियम के आधार पर खारिज कर दिया गया जिसके अनुसार किसी वर्ग में सिर्फ शीर्ष रैंकिंग वाला भारोत्तोलक ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई करेगा। वहीं अगर वह हटता है तो अगले सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक को उसकी जगह नहीं दी जाएगी। इस नियम के कारण चानू अब (49 किग्रा), बिंदियारानी (55 किग्रा) और पोपी (59 किग्रा) को एक भार वर्ग नीचे चुनौती पेश करनी पड़ेगी जबकि झिली राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाएंगी और 64 किग्रा वर्ग में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। ऐसे में इन खेलों में सभी की नजरें चानू पर टिकी होंगी। तीसरा राष्ट्रमंडल पदक जीतने के लिए चानू को सिर्फ दो वैध भार उठाने होंगे, एक स्नैच में और एक क्लीन एवं जर्क में। चानू की निकटतम प्रतिद्वंद्वी नाइजीरिया की स्टेला किंग्सले का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सिर्फ 168 किग्रा (72 किग्रा और 96 किग्रा) है। राष्ट्रमंडल खेलों में पहले ही एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी चानू की नजरें हालांकि क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा के अपने विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने और स्नैच में 90 किग्रा वजन के आंकड़े पर रहेंगी। अन्य भारतीय भारोत्तोलकों में युवा ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जेरेमी लालरिनुंगा के (67 किग्रा) वर्ग में पदार्पण करते हुए स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं।

यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता नेफीसेटोयू थियान , रजत विजेता एनोका वेटर व कांस्य विजेता अन्ना हाल एकसाथ नजर आयीं।

क्रांति समय बुधवार 20-जुलाई-2022

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

12वीं में हो गए हैं सफल तो अब इन क्षेत्रों में बना सकते हैं बेहतर करियर

12वीं के बाद आमतौर पर छात्र यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ाई करते हैं और करियर बनाते हैं। ऐसे में किन क्षेत्रों में करियार बनाना होगा बेहतर और कौन-से नए कोर्स हमारे लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। आइए इस लेख के माध्यम से उन्हीं कोर्सेज के बारे में जानते हैं। इन करियर में न आपको सिर्फ बेहतरीन सैलरी मिलेगी, बल्कि इन कोर्स को कम समय में भी किया जा सकता है।

पब्लिक रिलेशन

डिजिटल मार्केटिंग के इस दौर में हर कंपनी अपनी छवि सुधारना चाहती है। इसके लिए कंपनियां पब्लिक रिलेशन एक्सपर्ट को हायर करती हैं। समाज के बदलते परिदृश्य को देखते हुए किसी प्रॉडक्ट या किसी व्यक्ति की छवि काफी मायने रखती है इसके लिए पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल काम करते है। आज कोई कंपनी, सेलिब्रिटी, बिजनेसमैन, राजनेता, समाज से जुड़े लोग, मिलेनियर्स आदि जनता के सामने बेहतर तरीके से अपने आप को प्रमोट करने के लिए पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल को हायर करते है। इस फील्ड में पहले की अपेक्षा अब करियर की बेहतरीन संभावनाएं उपलब्ध है।
अगर आपको लोगों से जुड़ना और उन तक अपनी बातें पहुंचाना अच्छा लगता है तो पब्लिक रिलेशन की फील्ड आपके लिए ही है। इस फील्ड में थोड़े अनुभव के बाद आप कई बड़ी कंपनियों में पब्लिक रिलेशन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, कॉर्पोरेट अफेयर्स या एक्सटर्नल अफेयर्स डिपार्टमेंट में काम कर सकते है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कोरोना के बाद से पूरे विश्व के साथ भारत में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। आज के समय में इस तकनीक का उपयोग हर जगह हो रहा है। यह तकनीक फोन या कंप्यूटर में उपलब्ध शतरंज जैसे गेम, गूगल और एलेक्सा वॉयस असिस्टेंट समेत रोबोट जैसे डिवाइस के रूप में मौजूद है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया की श्रेष्ठ तकनीकों में से एक है। इस तकनीक की सहायता से ऐसा सिस्टम तैयार किया जा सकता है, जो मानव बुद्धिमत्ता यानी इंटेलिजेंस के बराबर होगा।
इस तकनीक के माध्यम से अल्गोरिदम सीखने, पहचानने, समस्या-समाधान, भाषा, लॉजिकल रीजनिंग आदि आसानी से समझा जा सकता है। इसके अलावा यह तकनीक खुद सोचने, समझने और कार्य करने में सक्षम है। हालांकि, इस तकनीक पर अब भी काम चल रहा है, लेकिन करियर विकल्प के रूप में यह शानदार फील्ड बनकर उभरा है। यहां पर आप अपना करियर बनाकर पैसा कमा सकते हैं।

फोटोग्राफी

छात्रों के बीच फोटोग्राफी हमेशा से ही डिमांडिंग करियर ऑप्शन रहा है। आधुनिक और डिजिटल कैमरे के आने से अब फोटोग्राफी पहले से ज्यादा आसान हो गई है। आज फोटोग्राफी न सिर्फ एक ग्लैमर वाला करियर ऑप्शन है बल्कि इसमें नाम और पैसा भी अच्छा कमाया जा सकता है। डिजिटल मीडिया की वजह से अब हर कोई फोटोग्राफ खींचकर लोगों का अटेंशन पाना चाहता है इसलिए इस फील्ड में पहले की अपेक्षा अब करियर की ज्यादा संभावनाएं बढ़ गई है। आज के समय में ऐसे कई कॉलेज और यूनिवर्सिटी है जो फोटोग्राफी के सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिग्री तक के कोर्स करवाते है। अगर आप भी फोटोग्राफी में दिलचस्पी रखते है तो इनमें से किसी कोर्स में एडमिशन लेकर अपना करियर बना सकते है। अगर आप कैमरे की बारीकियों को अच्छे से समझा है और आप अच्छी फोटो खींच लेते है तो इस फील्ड में जॉब और सैलरी की कमी नहीं है।

रिस्क मैनेजर

रिस्क मैनेजर आज के समय में एक उभरता हुआ करियर ऑप्शन है। इसमें किसी भी स्थिति को संभालने के लिए एनालिसिस स्किल के साथ-साथ मैनेजमेंट और कम्युनिकेशन स्किल का होना भी जरूरी है। क्योंकि इनका कार्य कंपनी को किसी भी तरह के रिस्क से बाहर निकाला है। लागत कम करने के निरंतर दबाव ने कई संस्थानों को विभिन्न प्रक्रियाओं को आउटसोर्स करने के लिए प्रेरित किया है, जिनका रिस्क मैनेजरों को मूल्यांकन और निगरानी करनी पड़ती है। इसके अलावा, उन्हें इस बात पर विचार करना होता है कि कैसे एआई और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकी प्रगति उन्हें कम लागत पर जोखिम का प्रबंधन करने में सक्षम बना सकती है। आज के समय में रिस्क मैनेजर्स की मांग बहुत अधिक है, खास तौर पर कोरोना के बाद और अब सबको बेहतर रिस्क मैनेजर की आवश्यकता का अंदाजा हो चुका है। इसलिए अगर आपको लगता है कि आप में वो सभी जरूरी क्षमता हैं, तो ये सही समय है इस क्षेत्र में आने का।

स्पोर्ट्स मैनेजमेंट

आज के समय में आईपीएल की तरह कई खेलों के भी प्रीमियर टूर्नामेंट होने लगे है। इन टूर्नामेंट को करवाने में स्पोर्ट्स मैनेजर की अहम भूमिका होती है। आज स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एक उभरता हुआ करियर विकल्प है। आज हमारे देश में क्रिकेट ही नही बल्कि फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी, टेनिस, बॉक्सिंग जैसे खेल खूब लोकप्रिय हो रहे है जिस वजह से स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में करियर के कई ऑप्शन खुल गये है। दरअसल इन खेलों और खिलाड़ियों को लोकप्रिय बनाने में स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के प्रोफेशनल की अहम भूमिका होती है। ये लोग मैच के आयोजन से लेकर उसकी पब्लिसिटी, मार्केटिंग और प्रबंधन की मुख्य भूमिका निभाते है। आज स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्रोफेशनल की दुनियाभर में डिमांड है। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट फील्ड में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में डिग्री या डिप्लोमा जरूरी है। देश की कई यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स संचालित किए जा रहे है आप इनमें से किसी में भी एडमिशन ले सकते है।

रूस में कीजिए डॉक्टरी की पढ़ाई!

कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं।
बेशक आज कॅरियर के चाहे जितने आप्शन उपलब्ध हों, किंतु हकीकत यह है कि आज भी डॉक्टरी जैसे ट्रेडिशनल कोर्स का काफी क्रेज है। आज भी डॉक्टरी में एडमिशन हर किसी को नहीं मिलता और जिनको मिलता है, उनको इसके लिए भारी-भरकम फीस चुकानी पड़ती है। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि डॉक्टरी का पेशा अपने आप में 'सेल्फ एंप्लॉयड' पेशा है। आपने कोर्स किया और आप बड़ा हॉस्पिटल नहीं, तो छोटा क्लीनिक खोल कर अपना काम जमा सकते हैं। भारत जैसे देश में जहां अभी भी डाक्टरों की भारी कमी है, लाखों लोगों पर डॉक्टरों की जितनी संख्या होनी चाहिए, उससे कम संख्या उपलब्ध है। भारत में विदेशों की तुलना में मेडिकल कॉलेजेस की भी काफी कम संख्या है और इसीलिए कई लोग विदेशों की ओर रुख करते हैं। रूस जैसा देश जो भारत का पुराना रणनीतिक सहयोगी रहा है, वहां भी मेडिकल कोर्सेज करने के लिए लोग स्वेच्छा से जाते हैं। जानते हैं इससे संबंधित जरूरी बातें.
इसके लिए सबसे पहले आपको नीट, यानी नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट पास करना जरूरी होता है। इसके बाद ही आप यहां दाखिला ले सकते हैं। 'रूस में 25 परसेंट सीट्स विदेशी छात्रों लिए आरक्षित हैं। भारत के छात्र जो रूस से पढना चाहते हैं, उनके मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के मुताबिक 50 परसेंट मार्क होने जरूरी हैं। अगर खर्च की बात करें तो रूस में मेडिकल की पढ़ाई करना अपेक्षाकृत कम सस्ता है। खासकर तब, जब अमेरिका या दूसरी यूरोपियन कंट्रीज से हम तुलना करते हैं। खास बात यह भी है कि रूस में अगर आप पढ़ाई करना चाहते हैं, तो मेडिकल कोर्सेज के लिए काफी सब्सिडी दी जाती है। एक अनुमान के मुताबिक, तकरीबन 12-13 लाख रुपए में आप मेडिकल का कोर्स भारत के इस 'मित्र देश' में आसानी से कर सकते हैं। खर्च के मामले में बता दें कि यह इंडिया के मुकाबले आधा ही पड़ता है।
जहां तक सब्सिडी की बात है, तो खुद कई यूनिवर्सिटीज को रूस की सरकार चलाती है, और इस वजह से वहां इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी फैसिलिटीज भी गवर्नमेंट ही उपलब्ध कराती है। इसलिए आसानी से सब्सिडी भी मिल जाती है। अगर छात्रों की बात करें तो इसके लिए वहां एक डेडीकेटेड डिपार्टमेंट है, और वही हॉस्टल इत्यादि दूसरी सुविधाओं की देखरेख करता है। कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। जाहिर तौर पर भारत में भी इसे मान्यता मिल ही जाती है। वैसे भी ज्ञान कहीं बेकार नहीं जाता है। अगर आप भी रूस से मेडिकल कोर्स करना चाहते हैं और कहीं पैसे की कमी आती है तो छात्रों को प्रोसेसिंग फीस पर ही तकरीबन क्त1000 की स्कॉलरशिप मिल जाती है, जो आपकी पढ़ाई के दौरान परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है।
दुनिया भर में जिस प्रकार से मेडिकल कोर्स की डिमांड बढ़ी है, उसने लोगों को इस और बड़ी संख्या में आकर्षित किया है। कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से डॉक्टरों की अहमियत समझा दी है, बल्कि ठीक से समझा दी है। ऐसे में निश्चित रूप से मेडिकल कोर्सेज में लोगों का इंटरेस्ट बढेगा, इस बात में दो राय नहीं है।

एलआईसी एजेंट बनकर शुरू करें अपना कॅरियर

एलआईसी एजेंट बनने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा आपका कम से कम दसवीं पास होना अनिवार्य है। एलआईसी एजेंट बनने के लिए आप सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट व पैन कार्ड फार्म के साथ जमा करें। ऐसे बहुत से लोग हैं, जो अच्छी कमाई तो करना चाहते हैं, लेकिन उनके लिए नौ से पांच की जॉब करना संभव नहीं होता या फिर वह खुद का बॉस बनकर काम करना चाहते हैं। अगर आपकी भी ऐसी ही इच्छा है तो आप बतौर एलआईसी एजेंट बनकर अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

एलआईसी एजेंट बनना काफी आसान है और इसके जरिए आप आकर्षक आमदनी कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि एलआईसी एजेंट कैसे बनें और इसके लिए योग्यता क्या हो-

जरूरी योग्यता

एलआईसी एजेंट बनने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा आपका कम से कम दसवीं पास होना अनिवार्य है। एलआईसी एजेंट बनने के लिए आप सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट व पैन कार्ड फार्म के साथ जमा करें।

प्रक्रिया

अगर आप एलआईसी एजेंट बनना चाहते हैं तो आप अपने निकटतम एलआईसी शाखा कार्यालय में संपर्क करें और वहां डेवलपमेंट ऑफिसर से मिलें। वहां ब्रांच मैनेजर एक इंटरव्यू आयोजित करेंगे। अगर आप उसमें पास हो जाती हैं तो आपको प्रशिक्षण के लिये विभागीय या एजेंसी प्रशिक्षण केंद्र भेजा जायेगा।
प्रशिक्षण केन्द्र में आपको 25 घंटों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
प्रशिक्षण में जीवन बीमा व्यवसाय के सभी पक्ष सम्मिलित होते हैं।
प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद आपको पूर्व-लाइसेंसिग परीक्षा में बैठना होगा, जो भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अर्थात आईआरडीएआई द्वारा संचालित की जाती है।
परीक्षा के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद बीमा अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिये आईआरडीएआइ द्वारा अपॉइटमेंट लेटर और आईडेंटिटी कार्ड प्रदान किया जायेगा।
इसके बाद आप ब्रांच ऑफिस द्वारा एजेंट के रूप में नियुक्त किये जायेंगे और आप अपने विकास अधिकारी के अधीन टीम का हिस्सा होंगे। विकास अधिकारी आपको फील्ड प्रशिक्षण और अन्य महत्वपूर्ण इनपुट उपलब्ध करायेंगे, जो आपके काम को आसान बनाने में मदद करेंगे।

स्किल्स

अगर आप लोगों से मिलना पसंद करते हैं और स्व-व्यवसाय की इच्छा रखते हैं तो आप एलआईसी एजेंट के रूप में अपना कॅरियर देख सकते हैं। इसके अलावा सेल्फ-मोटिवेशन, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स, जैसे कई योग्यताएं भी आपके करियर को सफल बनाने में मदद करते हैं।

आमदनी

अगर एक एलआईसी एजेंट की बात की आमदनी हो तो वह कोई निश्चित नहीं होती। आप जितना बेहतर काम करेंगे, आपकी आमदनी भी उतनी ही अधिक होगी। इसके अलावा एलआईसी एजेंट को उनकी परफार्मेंस के अनुसार रिवार्ड्स भी मिलते हैं।

इस तरह डेवलप करें प्रोफेशनल स्किल्स

स्किल्स को डेवलप करने के लिए जरूरी है आपका नियमित होना। हो सकता है कि आज उत्साह में आप सीखने का मन बना लें, लेकिन एक या दो दिन में ही बोर होने लग जाएं। इसलिए घर पर रहते हुए आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप रेग्युलर रहें।

एप का सहारा

कुछ नया सीखने के लिए घर से बाहर निकलने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप ऑनलाइन वेबसाइट या एप के जरिए भी काफी कुछ सीख सकते हैं। मसलन, अगर आप कोई नई भाषा जैसे स्पेनिश, जर्मन, इटैलियन, डच, जापानी या रशियन लैंग्वेज सीखना चाहते हैं तो एप पर जाकर शुरूआत कर सकते हैं। इसकी मदद से कई विदेशी भाषाओं को बेहद आसानी से सीखा जा सकता है। इस तरह खाली समय में इंटरनेट आपके स्किल्स को डेवलप करने में मदद करेगा।

रहें रेग्युलर

स्किल्स को डेवलप करने के लिए जरूरी है आपका नियमित होना। हो सकता है कि आज उत्साह में आप सीखने का मन बना लें, लेकिन एक या दो दिन में ही बोर होने लग जाएं। इसलिए घर पर रहते हुए आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप रेग्युलर रहें। इसके लिए आप एक समय तय कर लें और हर दिन तय समय पर एक घंटा अपने स्किल्स को डेवलप करने में लगाएं। साथ ही आप यह भी सुनिश्चित करें कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद भी आप अपनी लर्निंग को बीच में नहीं छोड़ेंगे।

बनाएं नोट्स

भले ही आपकी लर्निंग ऑनलाइन हो, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आपके पास हार्डकॉपी कुछ भी ना हो। दरअसल, जब आप कुछ भी नया सीखें तो उसके छोटे-छोटे नोट्स बनाएं। साथ ही किसी भी कॉन्सेप्ट को अच्छी तरह सीखने व समझने के लिए आप प्रैक्टिस शीट भी खुद सॉल्व करें। इससे आपको समझ में आएगा कि आप किस हद तक उस कॉन्सेप्ट को समझ पाए हैं।

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट

जब बात प्रोफेशनल स्किल्स को डेवलप करने की होती है तो इसमें प्रोफेशनल सर्टिफिकेट का काफी महत्व होता है। दरअसल, ऑनलाइन ऐसे भी कई प्रोफेशनल कोर्स मौजूद हैं, जो किसी खास क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ही होते हैं और इसलिए अगर आप उस क्षेत्र से संबंध रखते हैं तो आप उस कोर्स को ज्वॉइन कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको थोड़ा खर्चा भी करना पड़ सकता है। लेकिन ऑनलाइन कोर्स कंप्लीट करने और एग्जाम क्लीयर करने के बाद आपको प्रोफेशनल सर्टिफिकेट मिलता है, जो आपके कॅरियरग्रोथ में अहम्भूमिका निभाता है।

कनाडा में सोनी, तोशिबा, फिलिप्स ने साठगांठ करके बेचे महंगे उत्पाद, उपभोक्ताओं को 2.97 करोड़ डॉलर मिलेंगे वापस

ओटावा। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाली सोनी, तोशिबा-सैमसंग, फिलिप्स जैसी विश्व की कई प्रमुख कंपनियां कनाडा में दायर एक मुकदमे में 2.97 करोड़ डॉलर का समझौता कर रही हैं। उन्होंने आपसी साठगांठ कर अपने उत्पाद महंगे बेचे थे। 2004 से 2010 के बीच यह उत्पाद खरीदने वाले कनाडाई 20 डॉलर तक का

मुआवजा बिना खरीदी रसीद दिखाए पा सकेंगे। इन कंपनियों में बेनक्यू, हिटाची-एलजी, पायनियर, पैनासॉनिक, आदि भी शामिल हैं। इन्होंने सीडी व डीवीडी प्लेयर्स, कंप्यूटर, गेमिंग कंसोल आदि में लगने वाली ऑप्टिकल डिस्क ड्राइव (ओडीडी) महंगे दामों पर बेची थी। ओंटारियो, क्यूबेक, ब्रिटिश कोलंबिया, आदि की अदालतों ने समझौते पर रजामंदी दे दी है। ऐसा ही मामला अमेरिका व यूरोप में भी आया।

अनुचित मुनाफा कितना, पता नहीं

मुकदमा करने वालों में शामिल लिंडा वाइसर के अनुसार, कंपनियों ने उपभोक्ताओं से कितना अनुचित पैसा वसूला, यह आकलन आज संभव नहीं है। यह माना गया कि 2004 से 2010 में कनाडा के सभी नागरिकों ने कभी न कभी वीडियो गेम, सीडी-डीवीडी व ब्लू-रे प्लेयर आदि खरीदे और ज्यादा पैसा चुकाया। इसीलिए उन्हें मुकदमे को लेकर बनी वेबसाइट पर 14 नवंबर से पहले 20 डॉलर मुआवजे के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा।

महिला जेल में बंद थी ट्रांसजेंडर कैदी, दो साथियों को कर दिया प्रेग्नेंट, अब पुरुष जेल में हुआ ट्रांसफर

वाशिंगटन। अमरीकी राज्य न्यू जर्सी की महिला जेल में बंद एक ट्रांसजैंडर कैदी को अब पुरुष जेल में शिफ्ट कर दिया है। दरअसल ट्रांसजैंडर कैदी ने अपनी 2 साथी महिला कैदियों को गर्भवती कर दिया जिसके बाद उसकी जेल बदलनी पड़ी। डेमी माइनर अपने पिता जिन्होंने उसे गोद लिया था, की चाकू मारकर हत्या करने के लिए 30 साल की सजा काट रहा है।

जून में माइनर को एडना माहन करैक्शनल फैसिलिटी से गार्डन स्टेट यूथ करैक्शनल फैसिलिटी में शिफ्ट कर दिया गया था।डेली मेल की खबर के अनुसार 27 वर्षीय माइनर ने कहा कि ट्रांसफर के दौरान गार्ड्स ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और जी.एस.सी.एफ. में ट्रांसफर के दौरान उसने खुद को फांसी लगाने की कोशिश की। उसने दावा किया कि ट्रांसफर के दौरान उसे पीटा भी गया।

माइनर ने कहा कि उसे कुछ समय के लिए न्यू जर्सी स्टेट जेल में रखा गया था जहां गार्ड्स उसे 'पुरुष' की तरह संबोधित करते थे। लेकिन उसका केस अप्रैल में विवादों में घिर गया जब न्यू जर्सी के जेल विभाग ने दावा किया कि उसने एडना माहन करैक्शनल फैसिलिटी में 2 साथी कैदियों को गर्भवती कर दिया। माइनर ने लिखा, ''मैंने स्वीकार कर लिया कि मैं एक पुरुष जेल में हूं लेकिन मैं यह कभी स्वीकार नहीं करूंगा कि मैं एक महिला के अलावा भी कुछ हूं, जो ट्रांसजैंडर है।''

तरनजीत संधू ने अपने दादा तेजा सिंह समुंद्री को दी श्रद्धांजलि

वाशिंगटन। अमरीका में भारतीय राजदूत तरणजीत संधू ने अपने दादा व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संस्थापक सदस्य सरदार तेजा सिंह समुंद्री को श्रद्धांजलि अर्पित की है। संधू ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि 'उनके दादा अग्रजों के खिलाफ लड़ाई में कई मोर्चे लगाए। यही नहीं उन्होंने पंजाब में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल भी खोले और दो समाचार पत्र भी शुरू किए थे'। आपको यहां बताने जा रहे हैं कि सरदार तेजा समुंद्री सिख इतिहास में ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए ब्रिटिश सेना छोड़ दी थी। इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि उनकी मृत्यु दिल का दौरा पड़ने उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों ने आंदोलन के दौरान उन्हें लाहौर सैंट्रल जेल में रखा था। वह चाहते तो अन्य सिख कैदियों की तरह वह शर्त पर माफी मांग कर जेल से रिहा हो सकते थे लेकिन उन्होंने जेल में ही रहने का विकल्प चुना था। सरदार तेजा सिंह समुंद्री का जन्म 20 फरवरी को अमृतसर की तहसील तरनतारन के रायका बुर्ज में हुआ था।

जेलेंस्की ने सुरक्षा प्रमुख, महाभियोजक को हटाया, तोरेस्क शहर पर गोलाबारी

कीव/मास्को। रूस-यूक्रेन में गत 5 माह से जारी युद्ध में रूसी सेना लगातार पूर्वी-दक्षिणी शहरों पर तेज हमले कर रही है। रूसी सेना ने दोनेस्क क्षेत्र के तोरेस्क शहर पर गोलाबारी की जिसमें 5 की मौत हो गई। उधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देशद्रोह के आरोप में अपने सुरक्षा प्रमुख इवान ककानोव और महाभियोजक इरयाना वेनेदिकतोवा को बर्खास्त कर दिया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दोनों को बर्खास्त करने के पीछे देशद्रोह और विभाग के लोगों तथा कानून प्रवर्तन अन्य निकायों के लोगों के साथ सांठगांठ करने के आरोप लगाए हैं। जेलेंस्की ने कहा, अभियोजन कार्यालय के और एसबीयू (राज्य सुरक्षा सेवा) के 60 से अधिक कर्मचारी कब्जे वाले क्षेत्र में हैं और उन्होंने देश के खिलाफ काम किया।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठानों के खिलाफ इस प्रकार के अपराध तथा यूक्रेनी सुरक्षा बलों व रूसी विशेष सेवा के बीच संबंध बेहद गंभीर सवाल पैदा करते हैं। उधर, रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के शहरों पर सोमवार को भी गोलाबारी की। यहां तोरेस्क शहर पर की गोलाबारी में एक दो मंजिला घर नष्ट हो गया। बचाव दल ने इस घर से पांच शव बरामद किए हैं।

जेलेंस्की के बचपन का मित्र है बाकानोव

राष्ट्रपति द्वारा बर्खास्त किए गए एसबीयू प्रमुख इवान बकानोव जेलेंस्की के बचपन के मित्र रहे

हैं। वह राष्ट्रपति जेलेंस्की के पूर्व कारोबारी साझेदार भी थे। युद्ध शुरू होने के बाद से ही बाकानोव के खिलाफ गंभीर आरोप लग रहे थे। जेलेंस्की पिछले महीने से ही उनका विकल्प तलाश रहे थे। राष्ट्रपति ने इरयाना वेनेदिकतोवा को भी महाभियोजक पद से बर्खास्त करते हुए उनकी जगह उनकी सहायक ओलेक्सीय साइमोनेन्को को महाभियोजक बनाया है।

अब तक 353 यूक्रेनी बच्चों की मौत

रूसी सेना के यूक्रेन पर मिसाइल हमलों में अब तक 353 यूक्रेनी बच्चों की मौत हो चुकी है। वहीं 662 बच्चे घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सर्वाधिक 353 बच्चों की मौत दोनेस्क क्षेत्र में हुई है। खारकीव में 191, कीव में 116 और खेरसॉन में 52 बच्चों की मौत हुई।

यूक्रेनी सेना ने रूस के 38 हजार से ज्यादा सैनिक मारे

यूक्रेन ने भी रूस की कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया है। पिछले 24 घंटे में यूक्रेनी सेना ने रूस के 160 से अधिक सैनिकों को मार गिराया। 24 फरवरी से शुरू इस युद्ध में 17 जुलाई तक यूक्रेन ने रूस के करीब 38,300 सैनिकों को मार गिराया है।

रूस में 100 से ज्यादा नए कानून पास

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 100 से ज्यादा नए कानून पास किए हैं। इनमें से कई कानूनों को यूक्रेन में जारी युद्ध से जोड़कर देखा जा रहा है। रूस ने पास हुए कानूनों में एक कानून के मुताबिक अब रूसी अधिकारियों को किसी संदिग्ध शख्स को विदेशी एजेंट मान सकती है। इसके लिए उस शख्स के पास से विदेशी फंडिग मिलनी जरूरी नहीं है। उस शख्स को 20 साल तक की जेल हो सकती है।

कबायली परिषद 'जिरगा' ने महिलाओं का पर्यटन स्थलों पर जाना रोका, कहा- औरतों का यह कदम 'अनैतिक'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक कबायली परिषद 'जिरगा' ने महिलाओं के पर्यटन और मनोरंजन के लिए सार्वजनिक स्थानों पर जाने से रोक लगा दी है। उसने महिलाओं के इस कदम को 'अनैतिक' और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ बताया है।

खबर के मुताबिक, बाजौर कबायली जिले में अति-रूढ़िवादी सालारजई तहसील की जिरगा (कबायली परिषद) ने एलान किया कि यदि सरकार ने इस फैसले को लागू नहीं किया तो जिरगा सदस्य इसे लागू करने का जिम्मा अपने हाथ में ले लेंगे। जिरगा का आयोजन जेयूआई-एफ (जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल) की स्थानीय इकाई द्वारा किया गया था और यह सत्तारूढ़ गठबंधन के मुख्य घटकों में से एक है। यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब विश्व आर्थिक मंच ने कुछ ही दिन पहले जारी अपनी वार्षिक लैंगिक

अंतराल रिपोर्ट में पाकिस्तान को दुनिया के साथ-साथ क्षेत्र में लैंगिक समानता के मामले में दूसरे सबसे खराब देश का स्थान दिया था।

कई विवादों को हल करना था मकसद

जेयूआई-एफ द्वारा आयोजित इस बैठक में सालारजई तहसील के विभिन्न कबायलियों के वरिष्ठों के अलावा, क्षेत्र के कई जेयूआई-एफ नेताओं और धार्मिक हस्तियों ने भाग लिया। जिला प्रमुख मौलाना अब्दुर रशीद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिरगा का मकसद ईद के दौरान उभरे कई विवादित मुद्दों पर चर्चा कर उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से हल करना था।

इस्लामी परंपराओं के खिलाफ

जिरगा में शामिल वक्ताओं ने कहा कि यह देखा गया है कि पुरुषों के अलावा कई स्थानीय महिलाएं अपने पति या अन्य रिश्तेदारों के साथ अथवा अकेले ही ईद की छुट्टियों में विभिन्न पर्यटन एवं पिकनिक स्थलों का दौरा करती हैं। यह इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित रीति-रिवाजों और परंपराओं के खिलाफ है। वक्ताओं ने कहा कि पर्यटन और मनोरंजन के लिए इन जगहों पर महिलाओं का जाना पूरी तरह से अनैतिक और अस्वीकार्य है।

अमेरिका व इंडोनेशिया में विमान क्रैश, दोनो दुर्घटनाओं में पायलट सहित 5 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के कोलोराडो के बोल्डर में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने यह जानकारी दी।

एफएए की प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद वन क्षेत्र में आग लग गई थी, जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। हादसे के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसा रविवार सुबह नौ बजकर 41 मिनट पर हुआ।

बोल्डर काउंटी शेरिफ कार्यालय की प्रवक्ता कैरी हैवरफिल्ड ने बताया कि दो इंजन वाले विमान टी-337 जी में तीन यात्री और एक पायलट सवार था।

उधर, इंडोनेशिया सेना का एक विमान रात्रि प्रशिक्षण मिशन के दौरान जावा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक पायलट की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता फर्स्ट मार्शल इंडान गिलांग ने बताया कि दक्षिण कोरिया में बना टी-50आई गोल्डन ईगल सामरिक प्रशिक्षण के दौरान मध्य जावा प्रांत के ब्लोरा जिले में देर रात वन क्षेत्र में गिर गया। विमान ने पूर्वी जावा के पड़ोसी प्रांत में इस्वाहुदी एयर बेस से उड़ान भरी थी, जिसके करीब एक घंटे बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उन्होंने बताया कि विमान से आखिरी बार शाम सात बजकर 25 मिनट पर संपर्क हो पाया था। ग्रामीणों को झाड़ियों में विमान के टुकड़े बरामद हुए। हादसे की वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

सिंधु नदी में नाव पलटने से 19 महिलाओं की मौत, शादी की पार्टी से लौट रही थीं, शवों को तलाश रहे गोताखोर

लाहौर। पाकिस्तान में पंजाब और सिंध सीमा क्षेत्र के पास सिंधु नदी में एक नाव के पलट जाने से एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहीं कम से कम 19 महिलाओं की डूबने से मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि शादी की पार्टी में शामिल हुए अन्य सदस्यों को खोजने के लिए व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह घटना रहीम यार खान से लगभग 65 किलोमीटर दूर मचका में हुई, जहां इस समारोह में एक कबीले के 100 लोग शामिल हुए थे। जानकारी के अनुसार, रहीम यार खान के उपायुक्त सैयद मूसा रजा ने मीडिया को बताया कि बचाव कार्य के लिए विशेषज्ञ तैराकों, पांच एंबुलेंस और एक जल बचाव वैन सहित करीब 30 बचाव कर्मी मौके पर मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि अब तक उन्नीस शवों को पानी से बाहर निकाला है। यह सभी महिलाओं के शव हैं। जबकि अन्य यात्रियों की तलाश की जा रही है। रजा ने कहा कि ओवरलोडिंग और पानी के तेज बहाव के कारण नाव के पलट जाने के बाद से लोग लापता हैं। उन्होंने कहा कि अभी और भी हताहत हो सकते हैं। पंजाब के राजनपुर से करीब 100 लोग शादी की पार्टी से मच्छा लौट रहे थे, जब यह घटना हुई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना पर दुख और संवेदना व्यक्त की है।

बर्टी और हौसा जनजातियों के बीच हुई थी हिंसक झड़प, मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 पहुंची

खार्तूम। सूडान के दक्षिण पूर्वी ब्लू नाइल राज्य में दो जनजातियों के बीच हिंसक झड़प में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हो गई है। इसके अलावा 192 लोग घायल हैं, जबकि 120 परिवार विस्थापित हुए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री जमाल नासिर एलसैयद ने यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि पीड़ितों में अधिकतर युवा थे जिन्हें या तो गोली मारी गई या छुरा घोंपा गया। खार्तूम में सूडान की सुरक्षा और रक्षा परिषद ने ब्लू नाइल राज्य में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक की। परिषद ने रविवार को एक बयान में कहा। परिषद ने अटार्नी जनरल को एक तथ्य-खोज समिति बनाने का निर्देश दिया और राज्य की सुरक्षा समिति से देशद्रोह और हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी

उपाय करने का आह्वान किया। परिषद ने क्षेत्र में सुरक्षा बलों को मजबूत करने और अव्यवस्था और व्यक्तियों और निजी और सार्वजनिक संपत्ति पर हमलों के सभी मामलों से मजबूती से निपटने का भी फैसला किया। गौरतलब है कि बर्टी और हौसा जनजातियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इसमें आग्नेयास्त्रों और सफेद हथियारों का इस्तेमाल किया गया। ब्लू नाइल राज्य पूर्वी सूडान में इथियोपिया की सीमा पर स्थित है। राज्य में रोजेयर्स बांध है, जो इथियोपिया के पठार से उतरते हुए ब्लू नाइल नदी पर सूडान में सबसे बड़ा बिजली उत्पादन जलाशय बनाता है।

अमेरिका हाइपरसोनिक हथियारों को ट्रैक करने के लिए विकसित कर रहा उपग्रह प्रणाली

पेशावर: अमेरिका हाइपरसोनिक हथियारों को ट्रैक करने के लिए उपग्रह प्रणाली विकसित करने पर जोर दे रहा है। अमेरिका उन्नत उपग्रहों को विकसित करने के लिए 1.3 अरब अमेरिकी डालर खर्च करेगा, जो हाइपरसोनिक मिसाइल खतरों को बेहतर ढंग से ट्रैक करने में सक्षम होंगे।पेंटागन ने सोमवार को दो नए अनुबंधों की घोषणा की, जो 2025 तक कक्षा में पहचान और ट्रैकिंग सिस्टम डाल देंगे। अंतरिक्ष विकास एजेंसी के निदेशक डेरेक टूरनियर ने कहा कि अनुबंध से देश को 28 उपग्रह मिलेंगे, क्योंकि अमेरिका रूस और चीन से बढ़ते खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी क्षमता का विस्तार करने और इसे बढ़ाने के लिए आगे बढ़ रहा है।

रूस और चीन को लेकर अमेरिका सतर्क

रूस और चीन हाइपरसोनिक मिसाइलों के अपने कार्यक्रम में प्रगति कर रहे हैं, जिन्हें ट्रैक करना और नीचे गिराना अधिक कठिन है क्योंकि वे पारंपरिक हथियारों की

तुलना में उड़ान में अधिक पैंतरेबाजी करते हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि पिछले साल चीन ने जो परीक्षण किया वह एक हाइपरसोनिक मिसाइल था, और रूस ने यूक्रेन में युद्ध के दौरान हमलों में हाइपरसोनिक हथियारों का इस्तेमाल किया है। टूरनियर ने पेंटागन के संवाददाताओं को बताया कि रूस और चीन इन उन्नत मिसाइलों का विकास और परीक्षण कर रहे हैं, जो अत्यंत गतिशील हैं। इन उपग्रहों को विशेष रूप से खतरों के अगली पीढ़ी के संस्करण के बाद के लिए डिजाइन किया गया है ताकि हम इन हाइपरसोनिक पैंतरेबाजी वाहनों का पता लगा सकें और उन्हें ट्रैक कर सकें और उनके प्रभाव बिंदु के बारे में पता लगा सकें।

अमेरिकी संसद द्वारा कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त धन की मंजूरी दे दी गई है। इस योजना को विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलअंदाजी और चीन के तेजी से प्रगतिशील सैन्य विकास को जवाब देने के लिए बनाया गया है। हाइपरसोनिक हथियारों को मैक 5 से आगे या ध्वनि की गति से पांच गुना तेज यात्रा करने वाली किसी भी चीज के रूप में परिभाषित किया गया है।

यह लगभग 3,800 मील प्रति घंटे (6,100 किलोमीटर प्रति घंटे) है। हालांकि अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें उस सीमा से कहीं अधिक हैं, लेकिन यह एक पूर्वानुमानित पथ में यात्रा करती हैं, जिससे उन्हें रोकना संभव होता है।

साजिथ प्रेमदासा राष्ट्रपति की उम्मीदवारी से पीछे हटे, संसद ने की तीन नामों की घोषणा

कोलंबो। श्रीलंका इन दिनों आर्थिक संकट के साथ सियासी अस्थिरता से जूझ रहा है। राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे देश छोड़कर भाग चुके हैं और अपना इस्तीफा भी दे चुके हैं। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे उनका कार्यभार संभाल रहे हैं। देश में नए राष्ट्रपति चुनाव के लिए तारीख की घोषणा हो चुकी है। 20 जुलाई को नया राष्ट्रपति चुना जाना है। इस बीच श्रीलंका को एक और सियासी झटका लगा है। राष्ट्रपति की दौड़ में सबसे आगे चल रहे विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस बात की जानकारी उन्होंने ट्विटर के माध्यम से दी। उन्होंने ट्वीट किया, मैं अपने देश, जिसे मैं प्यार करता हूं, उसकी भलाई के लिए राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से अपना नाम वापस लेता हूं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी विपक्षी सहयोग की दिशा में कड़ी मेहनत करेंगे।

पहले खुद पेश की थी उम्मीदवारी- इससे पहले साजिथ प्रेमदासा ने राष्ट्रपति पद के लिए खुद उम्मीदवारी पेश की थी। उन्होंने कहा था कि निश्चित रूप से हमारे पास इस आर्थिक संकट

से उबरने की योजना है। हम तीन साल से गोतबाया सरकार से कह रहे थे कि गलत सलाह वाले आर्थिक कदम न उठाएं। उन्होंने हमारी नहीं सुनी और हम अभी तबाही की स्थिति में पहुंच गए हैं।

तीन उम्मीदवारों की हुई घोषणा

साजिथ प्रेमदासा के नाम वापस लेने के बाद श्रीलंकाई संसद ने राष्ट्रपति पद के लिए तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री व कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, दुल्लास अल्हापेरुमा और अनुरा कुमारा दिसानायके कल होने वाले चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे।

श्रीलंका में फिर से आपातकाल

श्रीलंका में कल फिर से आपातकाल लगा दिया गया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रॉनिल विक्रमसिंघे ने यह आदेश दिया था। आदेश में कहा गया है कि आर्थिक संकट को देखते हुए कानून व्यवस्था व आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के लिए 18 जुलाई से आपातकाल लगाया जा रहा है। इससे पहले 13 जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के खिलाफ भारी बवाल व जनाक्रोश भड़कने पर श्रीलंका में आपातकाल लगाया गया था। राजपक्षे के देश से भागने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। इसके बाद आपातकाल हटा दिया गया था, लेकिन अब एक सप्ताह में दूसरी बार आपातकाल लगाना पड़ा है।

ब्रिटेन में भीषण गर्मी का प्रकोप, देश में पहली बार रेड अलर्ट जारी

लंदन: ब्रिटेन में भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ताजा रहा है जिसके चलते देश में पहली बार रेड अलर्ट जारी किया गया है। ब्रिटेन में सोमवार को अब तक का सबसे गर्म दिन रहने की आशंका के बीच देश में लोगों को घरों के अंदर रहने और गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि तापमान यहां पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के करीब है। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने राष्ट्रीय आपातकाल लागू किया है और मौसम विज्ञान कार्यालय ने अत्यधिक गर्मी का पहला 'रेड अलर्ट' जारी किया है। यह अलर्ट अत्यधिक गर्मी से जीवन के लिए खतरे की चेतावनी है। बुधवार को कुछ बारिश होने के पूर्वानुमान से पहले मंगलवार को लू के चरम पर पहुंचने का अनुमान व्यक्त किया गया है। मौसम कार्यालय की मुख्य कार्यकारी प्रोफेसर पेनी एंडर्सबी ने कहा, 'हम ब्रिटेन के इतिहास में सबसे गर्म दिन देख सकते हैं।' उन्होंने बीबीसी से कहा, 'तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक रहने की संभावना है, संभावित अनुमान 41 का है। कुछ अनुमानों में यह आंकड़ा 43 का बताया जा रहा है, लेकिन हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह उतना गर्म नहीं होगा।' एंडर्सबी ने कहा, 'यह तापमान अभूतपूर्व है और हम इससे निपटने के अभ्यस्त नहीं हैं- गर्मी सैकड़ों या हजारों अतिरिक्त मौतों का कारण बनती है, इसलिए लोगों को सलाह का पालन करने की आवश्यकता है।' ब्रिटेन में इससे पहले सर्वाधिक तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस 2019 में दर्ज किया गया था।

डीएसपी डंपर से रौंदकर हत्या पर कांग्रेस का आरोप, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा रही

मेवात। हरियाणा के मेवात में अवैध खनन को रोकने गए डीएसपी सुरेंद्र सिंह बिश्नोई की माफियाओं ने डंपर से रौंदकर हत्या कर दी है। हादसे के बाद से हरियाणा की राजनीति गर्म हो गई है। मामले को लेकर विपक्ष अब भाजपा सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं होने का आरोप लगा दिया है। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था चरमरा रही है। विधायकों को धमकी दी जा रही है, आज ना विधायक सुरक्षित हैं ना ही पुलिस तब आम आदमी कैसे सुरक्षित रहेगा।

हुड्डा ने दावा किया कि जनता का विश्वास उठता जा रहा है। सरकार को तुरंत इसतरह के कदम उठाने चाहिए जिससे जनता का विश्वास कायम हो। वहीं कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति का जनाजा निकल चुका है। हरियाणा की सरकार विफल हो चुकी है। कहीं खनन माफिया कहीं संगठित गैंगस्टर घूम रहे हैं। पिछले 10 दिनों में 5 विधायकों को जान से मारने की धमकी मिली हैं, और सरकार कुछ नहीं कर पा रही। दूसरी ओर हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा है कि मैंने सख़्त कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए हैं, जितनी भी पुलिस लगानी पड़े, जितनी भी फोर्स बुलानी पड़े, चाहे आसपास के ज़िलों की फोर्स बुलानी पड़े।

गोबर के बाद अब गौमूत्र भी खरीदेगी छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार, जानिए प्रति लीटर क्या होगा दाम

छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार अब गोबर के बाद गौमूत्र भी खरीदेगी। इसकी शुरुआती कीमत कम से कम 4 रुपये प्रति लीटर की दर से तय की गई है। इसके अलावा गौठान प्रबंध समिति स्थानीय स्तर पर भी गौमूत्र खरीदी की कीमत तय कर सकती है। गौमूत्र खरीदारी की शुरुआत हरेली तिहार यानी कि 28 जुलाई से की जाएगी। सरकार का दावा है कि इस तरह के योजनाओं से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाया जा सकता है। पहले चरण में हर जिले के दो चयनित स्वावलंबी गौठानों में गौमूत्र खरीदा जाएगा। इसके साथ ही महिला स्वयं सहायता समूह गौमूत्र से जीवामृत और कीट नियंत्रण उत्पादन तैयार करेंगे। इसके अलावा यह भी दावा किया जा रहा है कि गौमूत्र के खरीदी से राज्य में जैविक खेती के प्रयासों को और अधिक प्रोत्साहित किया जा सकेगा। पशुपालकों को गौमूत्र बेचकर भी अतिरिक्त कमाई हो सकेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके जरिए रोजगार सृजन भी होंगे सरकार की ओर से कलेक्टरों को गौठान एवं स्वयं सहायता समूह की सूची जल्द ही उपलब्ध कराने को कहा गया है। आपको बता दें कि खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी साल अप्रैल-मई में गौमूत्र खरीदने की घोषणा की थी। गौमूत्र को लेकर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कामधेनु विश्वविद्यालय में एक अध्ययन भी चल रहा है। कुल मिलाकर देखें तो छत्तीसगढ़ की सरकार इस योजना के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जान फूंकने की कोशिश कर रही है।

मोदी सरकार ने पांच वर्षों में सात शहरों और नगरों के नाम बदलने को मंजूरी दी

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने विगत पांच वर्षों में सात शहरों और नगरों के नाम बदलने को मंजूरी प्रदान की हैं, जिसमें इलाहाबाद का नाम प्रयागराज करना भी शामिल है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से प्रदेश का नाम तीनों भाषाओं-बांग्ला, अंग्रेजी और हिंदी में 'बांग्ला' करने का प्रस्ताव आया है। मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज करने को 15 दिसंबर, 2018 को अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) दिया गया। उनके अनुसार, आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी शहर का नाम राजा महेंद्रवरम करने, झारखंड में नगर उंटारी का नाम श्री बंशीधर नगर करने को भी मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश के बीरसिंहपुर पाली को मां बिरासिनी धाम, होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम करने और बाबई का नाम माखन नगर करने को स्वीकृति दी गई।

सामूहिक संहार के हथियारों के वित्त पोषण को रोकने संबंधी संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सामूहिक संहार के हथियारों एवं उससे जुड़ी प्रणालियों के प्रसार के वित्त पोषण को रोकने के प्रावधान वाला एक विधेयक मंगलवार को राज्यसभा में पेश किया। जयशंकर ने राज्यसभा में जब 'सामूहिक संहार के आयुध और उनकी परिदान प्रणाली (विधि विरूद्ध क्रियाकलापों का प्रतिषेध) संशोधन विधेयक, 2022' पेश किया, उस समय विपक्षी सदस्य महंगाई सहित विभिन्न मुद्दों पर सदन में हंगामा कर सरकार से जवाब की मांग कर रहे थे। सदन में शोरगुल होने के कारण विधेयक के बारे में विदेश मंत्री जयशंकर की बात ठीक से सुनी नहीं जा सकी। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अनुरोध किया कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक है, इसलिए वे व्यवधान नहीं उत्पन्न करें।

लेकिन इसके बाद सदन में हंगामा जारी रहा और सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि हाल ही में अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान (डिलीवरी) प्रणालियों के प्रसार से संबंधित विनियमों का विस्तार किया गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लक्षित वित्तीय प्रतिबंध एवं वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की सिफारिशों को सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान प्रणालियों के प्रसार के खिलाफ लागू किया गया है।

इसमें कहा गया है कि उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए मूल अधिनियम को संशोधित करने की जरूरत है ताकि सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान प्रणालियों के प्रसार को वित्त पोषित करने के विरूद्ध उपबंध किया जा सके जिससे हम अपनी अंतरराष्ट्रीय बाध्यताओं को पूरा कर सकें। विधेयक में सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान प्रणालियों के संबंध में किसी भी क्रियाकलाप के वित्त पोषण को निषेध किया गया है। इसमें केंद्र सरकार को इसतरह के वित्त पोषण का निवारण करने के लिये निधियों एवं अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों या आर्थिक संसाधनों पर रोक, अधिग्रहण या कुर्की करने का अधिकार दिया गया है।

सेना में सेवा के दौरान दिव्यांगता होने पर ही दिव्यांग पेंशन के हकदार होंगे जवान: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सेना के जवान दिव्यांग पेंशन पाने के हकदार तभी माने जाएंगे, जब दिव्यांगता सेना में सेवा के दौरान हुई हो या सेवा के दौरान बढ़ गई हो। उनकी दिव्यांगता 20 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओक और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की पीठ ने केंद्र की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की, जिसमें सशस्त्र बल न्यायाधिकरण द्वारा सेना के जवान को दिव्यांग पेंशन दिए जाने के आदेश को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत ने अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल के एम नटराज की इस दलील से सहमति जताई कि सशस्त्र बलों के किसी जवान को आई चोट से दिव्यांगता होने और उसकी सैन्य सेवा के बीच तर्कसंगत संबध होना चाहिए। पीठ ने कहा, जब तक दिव्यांगता सैन्य सेवा से जुड़ी न हो या उसके कारण बढ़ी न हो और 20 प्रतिशत से अधिक न हो, तब तक दिव्यांग पेंशन की पात्रता पैदा नहीं होती। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में जवान जब छुट्टी लेकर एक स्थान पर गया तो उसके दो ही दिन बाद वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। पीठ ने कहा वादी को लगी चोटों और उसकी सैन्य सेवा के बीच किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं है। न्यायाधिकरण ने इस पहलू की पूरी तरह से अनदेखी की है, जो मामले की जड़ है। इसलिए वादी दिव्यांग पेंशन पाने का हकदार नहीं है।

गोपालगंज जहरीली शराब कांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची बिहार सरकार, जल्द होगी सुनवाई

नई दिल्ली । बिहार के गोपालगंज में जहरीली शराब कांड को लेकर बिहार सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने की बात कही है। बिहार सरकार ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें 9 गुनहगारों की फांसी की सजा को रद्द कर दिया गया था और 4 की उम्रकैद का फैसला पलट दिया था। यह मामला सन 2016 का है। गोपालगंज के खजूरबानी में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई थी और 6 लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। सन 2016 में खजूरबानी में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर नगर थाने में एफआईआर संख्या 347/16 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें जहरीली शराब बनाने और जान लेने का आरोप था। इसके बाद नगर थाना पुलिस ने खजुरबानी गांव के नगीना पासी, रुपेश शुक्ला सहित कुल 14 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है।

कांग्रेस विधायक ने कहा, भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को खरोंच भी आई तो भूकंप आ जायेगा

जयपुर। (एजेंसी)।

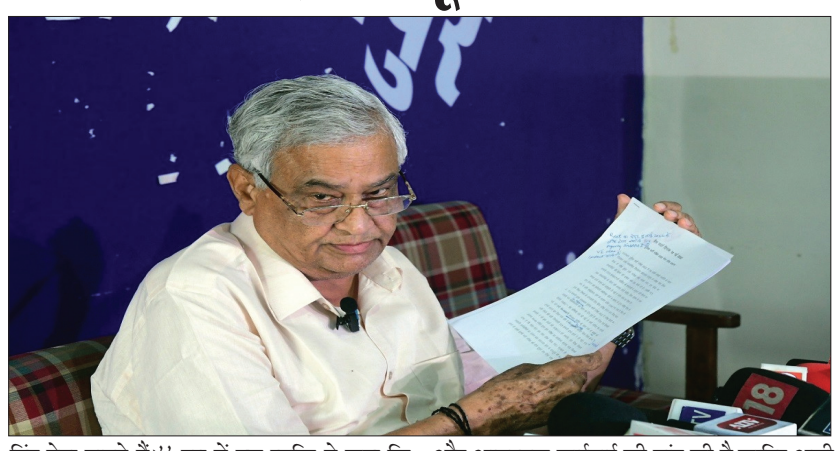

भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को जान से मारने की मिली धमकी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए एक कांग्रेस विधायक ने कहा कि सांसद को खरोंच भी आई तो भूकंप आ जायेगा। प्रतापगढ़ के कांग्रेस विधायक रामलाल मीणा ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा,'' डॉ किरोड़ी लाल मीणा को धमकी ठीक है, लेकिन अगर उन्हें कोई खरोंच आई तो ''भूकंप'' आ जायेगा। पार्टी अलग हो सकती है, लेकिन डॉ साहब गरीबों के मसीहा हैं। उनमें हमेशा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की भावना रहती है। '' मीणा को धमकी भरे पत्र के बारे में उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारणों से किसी ने ऐसा किया होगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री जल्द ही मामले की तह तक जाएंगे और दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा।

किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को नयी दिल्ली में अपने पंडारा रोड बंगले पर जान से मारने की धमकी भरा हस्तलिखित नोट मिलने के बाद शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई करने के लिये कहा है। खुद को कादिर अली राजस्थानी बताने वाले एक व्यक्ति ने नोट में कहा है कि भाजपा सांसद ''मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलते हैं और हिन्दुओं की वकालत करते हैं और खुद को हिंदू नेता मानते हैं।'' पत्र में उस व्यक्ति ने कहा कि कुछ दिन पहले मीणा ने उदयपुर हत्याकांड के मृतक कन्हैया लाल के परिवार को एक महीने का वेतन देने की घोषणा की थी और मुसलमानों को तालिबानी कट्टरपंथी कहा था। कतिपय पत्र में पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वालों को सबक सिखाने की बात कही गई है। किरोडी मीणा ने एक बयान में कहा, ''मैं इस प्रकार की धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। मैं लगातार जिहादियों और इन्हें संरक्षण देने वाली राजनीतिक शक्तियों की पोल खोलता रहूंगा। चाहे मेरी जान ही क्यों न चली जाए।'' मीणा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और नई दिल्ली के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है कादिर अली ने पत्र में कहा, ''जो गुस्ताखी करने वालो की मदद करेगा , उसको हम सबक सिखा देंगे, भले ही वह बडा नेता ही क्यों ना हो।इसलिये अब किरोड़ीलाल मीणा अब तेरा नंबर है क्योंकि तू खुद को बड़ा नेता हिन्दूवादी नेता और हिन्दुओं के पैरोकार समझ कर हम मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलता रहा है।'' भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा का समर्थन करने पर उदयपुर के दर्जी कन्हैयालाल की उसकी दुकान पर दो लोगो ने 28 जून को चाकू से निमर्म हत्या कर दी थी। निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने एक टीवी बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कुछ कथित विवादास्पद टिप्पणी की थी।

महाराष्ट्र के वाशिंम में नीट परीक्षा के दौरान उतरवाया गया हिजाब, परिजनों ने किया हंगामा

मुंबई । हिजाब को लेकर फिर विवाद छिड़ गया है। रविवार को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की परीक्षा के दौरान कुछ मुस्लिम छात्राओं ने जबरन हिजाब उतरवाने का आरोप लगाया। दरअसल महाराष्ट्र के वाशिम जिले में नीट परीक्षा देने वाली कुछ मुस्लिम छात्राओं का दावा है कि उनसे एग्जाम देने से पहले बुर्का और हिजाब उतरवाया गया। परीक्षा केंद्र के ठीक बाहर कुछ छात्राओं के परिवार वाले पुलिस वाले से इस लेकर बहस करते नजर आए। परीक्षा केंद्र पर मुस्लिम छात्रों का जबरन हिजाब उतरवाए जाने का मामला जब परिवार वालों तक पहुंचा, तब उनका गुस्सा फूट पड़ा। छात्राओं का आरोप है कि परीक्षा केंद्र में नकाब और हिजाब उतरवाया गया। जब कुछ छात्राओं ने इसका विरोध किया, तब उन्हें धमकाया गया। कुछ पीड़ित छात्राओं के माता-पिता ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद मामले की जांच की जा रही है। वासिम के डिप्टी एसपी का कहना है कि मातोश्री शांताबाई कॉलेज में कुछ मुस्लिम छात्राएं बुर्का लगाकर आईं थीं। जिन्हें सेंटर पर बुर्का उतारने को कहा गया। एक पीड़ित छात्रा ने कहा कि संबंधित कॉलेज के अधिकारियों की तरफ से पहले उन्हें परीक्षा के लिए परिसर में आने की अनुमति दी और फिर बाद में उन्हें अपना हिजाब और बुर्का बाहर निकालने के लिए कहा गया। केरल के कोल्लम जिले के एक प्राइवेट शिक्षण संस्थान में नैशनल एलिजिबिलिटी एटेंस टेस्ट (एनईईटी) का एग्जाम देने आईं छात्राओं का आरोप है कि उन्हें उस वक्त बहुत असहज स्थिति से गुजरना पड़ा जब उनसे अंडर गारमेंट्स के कुछ हिस्से उतारने को कहा गया। मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली नीट परीक्षा रविवार को हुई थी।

सरकार ने कहा, जनसंया नियंत्रण के लिए कानून लाने पर वह कोई विचार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में जनसंख्या के मामले में भारत द्वारा अगले साल चीन को पीछे छोड़ देने का अनुमान व्यक्त किए जाने के कारण देश में इस मुद्दे को लेकर छिड़ी बहस के बीच मंगलवार को केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाने पर वह कोई विचार नहीं कर रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब मेंकेंद्र सरकार के इस रुख के बारे में यह जानकारी दी। भारती प्रवीण पवार ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जो राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है ताकि 2045 तक जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य के साथ परिवार नियोजन की अपूर्ण रह गयी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाने के सरकार के प्रयास सफल रहे हैं और इसकी बदौलत 2019-21 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) घटकर 2.0 रह गई जो प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। उन्होंने कहा कि 36 राज्यों व संघ शासित क्षेत्रों में से 31 ने प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता हासिल कर ली है। पवार ने कहा कि आधुनिक गर्भनिरोधक उपयोग बढ़कर 56.5 प्रतिशत हो गया है जबकि परिवार नियोजन की अधूरी आवश्यकता केवल 9.4 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि 2019 में कच्ची जन्म दर (सीबीआर) घटकर 19.7 रह गई है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, सरकार किसी भी विधायी उपाय पर विचार नहीं कर रही है।''

दरअसल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य जॉन ब्रिटास ने एक केंद्रीय मंत्री द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाए जाने के दावे का हवाला देते हुए सरकार से इस बारे में उसका रुख जानना चाहा था। भारत के अगले साल दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में गत दिनों यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रखंड के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या संभावना 2022 में कहा गया कि वैश्विक जनसंख्या 15 नवंबर, 2022 को आठ अरब तक पहुंचने का अनुमान है।

सहकारी संस्थाओं पर कोविड के असर का आकलन करेगा एनसीयूआई : अमित शाह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) सहकारी इकाइयों पर कोविड महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन करेगा। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। शाह ने कहा कि कोरोना महामारी ने सभी क्षेत्रों पर असर डाला है जिनमें सहकारी संस्थाएं भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि बहरहाल, सरकार ने कई कदमों/पैकेज के माध्यम से राहत पहुंचाई है ताकि विभिन्न क्षेत्रों के सामने खड़ी चुनौतियों को कम किया जा सके। उन्होंने कहा, ''सहकारी संस्थाओं पर कोरोना महामारी के असर का आकलन करने के लिए एनसीयूआई की तरफ से अध्ययन किया जा रहा है।''मंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने सहकारी संस्थाओं को वित्तीय सहयोग बढ़ा दिया है। एनसीडीसी की ओर से 2021-22 में 34,221.08 करोड़ रुपये की मदद और 2020-21 में 24,733.24 करोड़ रुपये की मदद दी गई।

बॉर्डर पार कर नूपुर शर्मा की हत्या करने आया रिजवान, बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान से आया घुसपैठिया निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद पर उनकी टिप्पणियों को लेकर मारने की योजना बना रहा था। 16 जुलाई को वो राजस्थान के अजमेर जा रहा था। जब उसे राजस्थान के श्री गंगा नगर जिले में भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ के जवानों ने रोक लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने दावा किया कि उसे नुपुर शर्मा को मारने के लिए भेजा गया था। पाकिस्तानी नागरिक की पहचान रिजवान अशरफ के रूप में हुई है। उसके पास से लंबे चाकू और धार्मिक ग्रंथ बरामद किए गए हैं। खुफिया ब्यूरो (आईबी) और अन्य खुफिया एजेंसियों की एक संयुक्त टीम गिरफ्तार पाकिस्तानी घुसपैठिए से पूछताछ कर रही है। उसे 24 जुलाई तक के लिए हिरासत में भेज दिया गया है।

पीएफआई के निशाने पर नूपुर शर्मा

इस बीच पटना आतंकी मॉड्यूल मामले की चल रही जांच में एक नया खुलासा हुआ है कि निलंबित बीजेपी नेता नुपुर शर्मा राजनीतिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के निशाने पर हो सकती हैं।पटना पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि पटना टेरर मॉड्यूल केस में गिरफ्तार अतहर परवेज के मोबाइल फोन से नूपुर शर्मा के दिल्ली स्थित आवास का पता मिला है।

'मुर्गा लड़ा रही है बीजेपी', उद्धव ठाकरे बोले- तीर चलाने के लिए जो धनुष चाहिए वह मेरे पास ही है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। विधायकों के बगावत के बाद अब सांसद भी बागी तेवर दिखा रहे हैं। कई सांसदों के एकनाथ शिंदे के गुट के साथ होने के दावे भी किए जा रहे हैं। खबर तो यह भी है कि एकनाथ शिंदे गुट शिवसेना पर दावा करने की तैयारी में है। इन सब के बीच आज एक बार फिर से उद्धव ठाकरे ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा है कि बीजेपी मुर्गा लड़ा रही है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के लोग गद्दार नहीं है। भाजपा ने हमारे लोगों को गुमराह किया है। उन्होंने यह भी कह दिया कि शिवसेना को भाजपा पूरी तरीके से खत्म करना चाहती है।

शिवसेना पर शिंदे गुट के दावे पर उन्होंने कहा कि मेरे तरकस से कितने भी तेल निकाल लो असली शिवसेना मेरे ही पास रहेगा। उन्होंने कहा कि तीर चलाने के लिए जो धनुष चाहिए वह मेरे पास ही है। इससे पहले शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा कि पार्टी अपने चुनाव चिह्न और संगठन पर नियंत्रण की खातिर लड़ाई के लिए तैयार है। शिवसेना को हाल ही में बड़े पैमाने पर विद्रोह का सामना करना पड़ा है। राउत ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र को तीन हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रही है और शिवसेना में विभाजन कराना भाजपा की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि शिंदे ने शिवसेना संसदीय दल को ऐसे समय पर तोड़ने की कोशिश की, जब राज्य कुछ हिस्सों में भारी बाढ़ से निपटने के लिए प्रयास कर रहा था।

शिवसेना के 12 बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से भेंट की

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र एवं सांसद श्रीकांत शिंदे सहित शिवसेना के 12 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की और उनसे निचले सदन में अपनी पार्टी का नेता बदलने का आग्रह किया। शिवसेना के बागी सांसदों ने ऐसे समय में बिरला से भेंट की जब एक दिन पहले ही पार्टी के सदन के नेता विनायक राउत ने लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र सौंपा था जिसमें विरोधी खेमे से कोई ज्ञापन स्वीकार नहीं करने का अनुरोध किया गया था। बिरला से मुलाकात करने वाले शिंदे गुट के 12 सांसदों में शामिल हेमंत गोडसे ने कहा कि शिवसेना के 12 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और विनायक राउत के स्थान पर राहुल शेवाले को सदन में पार्टी का नेता नियुक्त करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी का सरकार पर निशाना, बोले- संसद में चर्चा और सवालों से भागना सबसे असंसदीय है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र चल रहा है। विपक्ष की ओर से महंगाई को लेकर सरकार को जबरदस्त तरीके से घेरा जा रहा है। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष इस पर लगातार हंगामा कर रहा है। यही कारण है कि आज दूसरे दिन भी दोनों सदनों की कार्यवाही ठीक से नहीं चल पाई। जिसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इन सबके बीच राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जबरदस्त तरीके से तंज कसा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में चर्चा और सवालों से भागना सबसे असंसदीय है। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा कि रुपया पहुंचा 80 पार, गैस वाला मांगे ? हज़ार, जून में 1.3 करोड़ बेरोज़गार, अनाज पर भी त्रस्ज्ञ का भार। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दे उठाने से हमें कोई रोक नहीं सकता, सरकार को जवाब देना ही पड़ेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि संसद में चर्चा और सवालों से भागना सबसे 'असंसदीय' है, प्रधानमंत्री जी। कांग्रेस लगातार महंगाई के खिलाफ सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस की ओर से हाल में ही जरूरी खाद्य वस्तुओं पर लगाए गए जीएसटी के विरोध में आज प्रदर्शन भी किया गया। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियां है वो लड़ रही है और हम लड़ेंगे। जो रोज़मर्रा की चीज़ों पर लगाए जाने वाले टैक्स के खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं। दूध, दही, पनीर जैसी चीज़ों पर टैक्स लगाया गया है इसके खिलाफ हम संसद में भी अपनी बात रखेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस सांसदों के साथ संसद में विरोध-प्रदर्शन भी किया।

संसद में हंगामा

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई, अग्निपथ योजना, जीएसटी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भारी शोर-शराबा किया जिसके कारण मंगलवार को सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे बैठक पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति किरीटभाई सोलंकी ने

आवश्यक दस्तावेज सभापटल पर रखवाए। इस दौरान विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। महंगाई, कुछ आवश्यक खाद्य पदार्थों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाए जाने और रक्षा सेवाओं में भर्ती की अग्निपथ योजना जैसे मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारी बारिश के अलर्ट के चलते सूरत का डुम्मस और सुवाली बीच सैलानियों के लिए बंद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,तेज हवा और भारी बारिश के अलर्ट के चलते सूरत के डुम्मस और सुवाली बीच को सैलानियों के लिए बंद कर दिया गया है7 समुद्र किनारे लोगों को जाने से रोकने के लिए बीच पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है7 पिछले कई दिनों से गुजरात में खासकर दक्षिण गुजरात में कहर बरपा रही बारिश से फिलहाल राहत की कोई उम्मीद नहीं लग रही है7 सूरत में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है7 ४० से ५० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए सूरत के दो मशहूर बीच को सैलानियों के लिए बंद करने का प्रशासन ने फैसला किया है7 सूरत के डुम्मस और सुवाली बीच को लोगों के लिए बंद कर दिया गया है7 भारी बारिश की भविष्यवाणी को ध्यान में रखते हुए लोगों को समुद्र के निकट जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है7 कोई सैलानी समुद्र के निकट पहुंचे, इसके लिए पुलिस जवानों को भी तैनात कर दिया गया है7 दूसरी ओर उकाई डैम से १.८८ लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की वजह से तापी नदी के जलस्तर में इजाफा हुआ है और कोजवे जलमग्न हो गए हैं7 कोजवे के पानी मे डूबने से मांडवी और बारडोली तहसील के बीच संपर्क टूट गया है7 हरिपुरा और कोसाडी गांव के बीच का कोजवे भी जलमग्न हो गया है7 इस कारण कोजवे के दोनों ओर पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है7

गुजरात में मौसम की 58 प्रतिशत से अधिक बारिश, कच्छ में सबसे अधिक 104.09 फीसदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, बीते करीब एक महीने के भीतर गुजरात बारिश और बाढ़ से बेहाल हो चुका है। भारी से अतिभारी बारिश ने राज्य के कई जिलों में तहस नहस कर दिया है। मानसून के शुरुआती एक महीने के भीतर गुजरात में 58.32 प्रतिशत औसत बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 104.09 प्रतिशत मौसम की बारिश हो चुकी है। वहीं दक्षिण गुजरात में 74.17 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 57.77 प्रतिशत, पूर्व गुजरात में 47.02 प्रतिशत और उत्तरी गुजरात में सबसे कम 32.65 प्रतिशत बारिश हुई है7 राज्य के स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार की सुबह ६ बजे पूर्ण हुए 24 घंटों में छोटाउदेपुर जिले के बोडेली में 103 मिमी बारिश हुई है। वाघोडिया में 91 मिमी, कुकरमुंडा में 89 मिमी, वडोदरा में 85 मिमी, संखेडा में 83 मिमी, तिलकवाडा में 80 मिमी समेत पांच तहसीलों में 3 ईंच से अधिक बारिश हुई। वहीं पादरा में 67 मिमी, कपराडा में 65 मिमी, चोटीला में 63 मिमी, डेडियापाडा में 61 मिमी, आणंद में 60 मिमी और नांदोद में 51 समेत 6 तहसीलों में 2 ईंच से ज्यादा तथा 19 तहसीलों में 1 से 2 ईंच तक बारिश हुई है। इसके अलावा आज सुबह 6 बजे से 10 के दौरान मेघरज में 44 मिमी, संतरामपुर में 39 मिमी, कडाणा में 36 मिमी, फतेपुर में 32 मिमी, मोरवाहडफ में 27 मिमी, शहेरा में 26 मिमी और पेटलाद में 24 मिमी समेत 7 तहसीलों में एक ईंच जितनी बारिस दर्ज हुई है।

सूरत जिले के कछौली गांव में सरपंचो द्वारा किए गएं भ्रष्टाचारो खिलाफ उच्चस्तरीय शिकायत

कछौली के वर्तमान सरपंच एवं तलाटी की गरीबों के लिए शौचालय निर्माण में शंकास्पद भूमिका

गांव की गरीब प्रजा आज भी खुले मैदान में शौच करने के लिए मजबूर, तंत्र नहीं कर रहा कारवाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिले की कचौली ग्राम पंचायत ने गरीबों के लिए बन रहे शौचालय के मामले में भारी भ्रष्टाचार किया है। जिसमें लाभार्थी जिनके पास बंगला है उन्हें लाभ दिया गया है, और विशेष आवश्यकता वाले लोगों को लाभ नहीं दिया गया है। इसका खुलासा एक आरटीआई के माध्यम से किया गया है। यह देखना बाकी है कि पार्टी के प्रशासनिक विभाग के सरपंच और तलाटी पर सिस्टम क्या कार्रवाई करता है ?

सूरत जिले के कछौली गांव में ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर शौच मुक्त गांव का एक विशाल बोर्ड लगाया गया है, लेकिन अब यह बोर्ड गांव के जाने-माने लोगों के सामने मजाक साबित हो रहा है। इस गांव में रहने वाले हलापति समुदाय के परिवार और अन्य गरीब लोग सुबह-सुबह खुले में शौच के लिए जाने को मजबूर हैं, जबकि विवरण सामने आया है कि पंचायत के सरपंच द्वारा बंगला मालिकों के लिए शौचालय

का निर्माण कराया गया है, जिन्हें इसकी आवश्यकता ही नहीं है। अब अहम बात यह है कि जब कोई व्यक्ति लाखों की लागत से अपना घर बना रहा है तो क्या वह शौचालय के लिए पंचायत की उम्मीद कर सकता है? और कछौली ग्राम पंचायत जरूरतमंदों को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने में कहीं न कहीं कमजोर साबित हुई है। शौचालय की राशि लाभार्थियों के नाम से पास हो चुकी है लेकिन आज तक पता चल रहा है कि उन्हें इसका लाभ नहीं मिला तो सवाल यह है कि शौचालय के लिए सरकार द्वारा आवंटित अनुदान कहां और किसकी जेब में गया? कछौली गांव में शौचालय की शिकायत करने वाले राजू केवट व अन्य ने सूरत के जिला कलेक्टर को आरटीआई का सबूत दिया है कि शौचालय अनुदान की राशि आ गई है और लाभार्थियों को लाभ नहीं मिला है ऐसी शिकायतें भी की है। शिकायतकर्ता ने मामले पर और प्रकाश डालते हुए लिखा है कि जब रूपये लाजपुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा पहुंचे तब लाभार्थीओं को सरपंच के नजदीकी व्यक्तिद्वारा ओटो द्वारा बैंक मे ले जाया गया और रूपएं हाथ मे आते ही वही व्यक्तिद्वारा ले लिया गया थे। इस पुरे किस्से में गांव के सरपंच व तलाटी की कहीं न कहीं मैली मुराद सामने आ रही है।

कछौली गांव के एक गरीब परिवार के सदस्य राजू केवट ने आरटीआई के आधार पर मिलने वाले लाभ से परेशान होकर सूरत के जिला कलेक्टर से शिकायत की है। शिकायत करनेवाले राजू को जान से मारने की धमकी मिलने पर वह डर गया और उसने सूरत पुलिस आयुक्त को भी शिकायत की है। जिसमे राजूने लिखा है, कि उसे अपने परीवार सहित जान खतरा महसूस हो रहा है।

सूरत के खरवारनगर जंक्शन फ्लाई ओवर ब्रिज का एक हिस्सा पांच अगस्त तक बंद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नवसारी रोड पर खरवारनगर में बने फ्लाई ओवर ब्रिज की मरम्मत का काम पूरा नहीं होने से इस पुल को खोलने की एक और समय सीमा आ गई है. पुल की मरम्मत का काम 27 जून को शुरू हुआ था। इसे 19 जुलाई को पूरा किया जाना था। चूंकि यह काम पूरा नहीं हुआ है, अब काम 5 अगस्त को पूरा होने की उम्मीद है, इसलिए फ्लाई ओवर ब्रिज को 5 जुलाई तक बंद रखने का नोटिस जारी किया गया है.

बारिश से नहीं हुआ काम नवसारी से सूरत आने वाले पुल का हिस्सा 27 जून से 19 जुलाई तक सूरत-नवसारी मुख्य मार्ग पर खरवारनगर जंक्शन पर फ्लाई ओवर ब्रिज के बेयरिंग कोट की मरम्मत के लिए वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया था. वर्तमान में साइट पर चल रहे मरम्मत कार्य को भारी वर्षा के कारण साइट पर पूरा होने में अधिक समय लग सकता है। इस अवधि के दौरान सूरत-नवसारी मुख्य मार्ग पर खरवारनगर जंक्शन पर फ्लाई ओवर ब्रिज के बाईं ओर सर्विस रोड का उपयोग वैकल्पिक मार्ग और यातायात की सुगमता के लिए करना होगा।

वलसाड के डिप्टी डीडीओ पर सूचना आयोग ने लगाया 10,000 रूपये का जुर्माना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मांडवी तालुक के तत्कालीन टीडीओ और अपीलीय अधिकारी और वलसाड के वर्तमान डिप्टी डीडीओ को गुजरात सूचना आयोग के राज्य सूचना आयुक्त ने अपने कर्तव्य के दौरान सूचना के अधिकार के प्रावधानों का पालन करने में विफल रहने के लिए 10,000 रूपये का जुर्माना लगाया है।

गुजरात सूचना आयोग आयुक्त कार्यालय द्वारा मामले के विवरण के अनुसार सूरत में उतरन हाउस के सामने सिल्वर अंपायर में रहने वाले मितुल नवदिया 1-4-2015 से आज तक आम सभा की संकल्प पुस्तिका और एजेंडे को अंजाम दे रहे थे. सूरत जिले के मांडवी तालुका के वीरपुर ग्राम पंचायत में सामान्य बैठक में उपस्थित सदस्यों के रजिस्टर और उपस्थिति रजिस्टर की प्रतियों के संबंध में आरटीआई के तहत जानकारी मांगी गई थी। लोक सूचना अधिकारी ने 11 दिसंबर 2020 को प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष बिना समय सीमा के विवादकर्ता को सूचना या निर्णय दिये बिना अपील की।